UPHIN/2019/77630

अपराध व भ्रष्टाचार पर तीखी नज़र

आर्य चेतना न्यूज

www.aryachetana.com

वर्ष– 09 अंक – 134
लखनऊ, बुधवार 12 अगस्त 2026
मूल्य–1 रूपया पृष्ठ–08

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार–पत्र

संक्षिप्त समाचार

संसद में विपक्ष का हंगामा जारी, खड़गे बोले–हमारी मांग नहीं बदली, सरकार को सदन में देना होगा जवाब

एजेंसी

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष का सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष अपनी मांगों पर कायम है और इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और गोलीबारी को लेकर सरकार से सदन में जवाब देने की मांग की। कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हम अपना रुख नहीं बदल रहे हैं। शुरू से लेकर अब तक हमारी मांग वही रही है। हमारे तीन मुद्दे हैं। छात्रों पर लाठीचार्ज और गोलीबारी का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि यह कार्रवाई किसके आदेश पर की गई। उन्होंने कहा कि सरकार को सदन में यह बताना चाहिए कि आदेश किसने दिया और पूरी घटना कैसे हुई।

रूसी हमलों से दहला यूक्रेन, हमलों में 6 लोगों की मौत, जेलेंस्की ने की कड़े प्रतिबंधों की मांग

एजेंसी

नयी दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमलों की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि रूस जानबूझकर नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने की अधिकतम कोशिश कर रहा है। सोमवार रात रूस के मिसाइल हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और 19 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जापोरिज्जिया में रूसी हमले के बाद से रात भर राहत और बचाव कार्य जारी हैं। शहर पर उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइलों, जिरकॉन मिसाइलों और ग्लाइड बमों से हमला किया गया। यह एक बेहद गंभीर हमला था, जिसे नागरिक ढांचे को अधिकतम नुकसान पहुंचाने के इरादे से अंजाम दिया गया। जेलेंस्की ने बताया कि इस हमले में शहर में छह लोगों की मौत हुई है और 19 लोग घायल हुए हैं।

पीएम मोदी के साथ एनडीए सांसदों ने लहराया तिरंगा, संसद परिसर में झारखंड मुद्दे पर शक्ति प्रदर्शन

एजेंसी

नयी दिल्ली। संसद के मॉनसून सत्र के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों की 'मंगल मिलन' बैठक में सत्ता पक्ष ने एकजुटता का संदेश दिया। संसद पुस्तकालय में हुई बैठक की शुरुआत 'वंदे मातरम्' के नारों के साथ हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन समेत एनडीए के कई नेता हाथों में तिरंगा लिए नजर आए। बैठक के बाद एनडीए सांसदों ने संसद परिसर में झारखंड में छात्रों के प्रदर्शन और कथित पुलिस कार्रवाई के मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन भी किया। सांसदों के हाथों में पोस्टर थे, जिनमें झारखंड में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ कथित कार्रवाई का मुद्दा उठाया गया।

सत्ता पक्ष की ओर से कांग्रेस पर भी छात्रों के मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया गया। एनडीए सांसदों की रणनीति के तहत संसद में प्रवेश के दौरान ऐसे पोस्टर प्रदर्शित किए जाने की तैयारी है, जिनमें सरकार की ओर से छात्रों के प्रदर्शन पर चर्चा की इच्छा जताने का दावा किया गया है। साथ ही झारखंड सरकार पर छात्रों के साथ कथित व्यवहार को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सत्ता पक्ष का आरोप है कि विपक्ष संसद की कार्यवाही बाधित कर रहा है और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा से बच रहा है। वहीं, सरकार की ओर से अपने सांसदों को सदन में सक्रिय भूमिका निभाने और जरूरी विधेयकों की कार्यवाही में भाग लेने पर जोर दिया जा रहा है। इससे पहले हुई 'मंगल मिलन' बैठक में भाजपा सांसदों ने सरकार की उपलब्धियों को लेकर चर्चा की थी। रोजगार, आर्थिक विकास, खेल और गरीबी उन्मूलन जैसे विषय बैठक में प्रमुख रहे। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि केंद्र की नीतियों के कारण देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार के क्षेत्र में सुधार हुआ है। भाजपा सांसदों ने विपक्ष पर संसद में हंगामा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सभी एनडीए सांसदों को सदन में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा और मतदान की प्रक्रिया प्रभावी ढंग से पूरी हो सके। 'मंगल मिलन' छव। संसदीय दल की नियमित रणनीतिक बैठक का नया स्वरूप है। इसका उद्देश्य गठबंधन के सहयोगी दलों के बीच बेहतर समन्वय कायम करना

और संसद की कार्यवाही को लेकर साझा रणनीति तैयार करना है। बैठक में भाजपा के अलावा शिवसेना, एलजेपी, टीडीपी, जेडीयू और अन्य सहयोगी दलों के सांसद भी शामिल होते हैं। संसद सत्र के दौरान यह बैठक सत्ता पक्ष के लिए रणनीति तय करने और सहयोगी दलों के नेताओं के बीच जिम्मेदारियां बांटने का महत्वपूर्ण मंच बन गई है।

लोकसभा में पारित हुआ सहकारी विकास निगम का अधिकार क्षेत्र बढ़ाने वाला विधेयक

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा ने मंगलवार को राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 को हंगामे के बीच पारित कर दिया, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) के अधिकार क्षेत्र का

विस्तार करना है। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच, सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने यह विधेयक पारित करने के लिए पेश किया, हालांकि विधेयक सहकारिता मंत्री अमित शाह के नाम से सूचीबद्ध था। विपक्ष के सांसद अयोध्या के राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी पर चर्चा और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई पर गृह मंत्री शाह के जवाब की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे। सदन ने चर्चा के बिना विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक के तहत एनसीडीसी को सहकारी समितियों या इस क्षेत्र के विकास में लगी किसी भी इकाई को सीधे ऋण और अनुदान देने का अधिकार मिल सकेगा (सहकारिता मंत्रालय के तहत आने वाला एनसीडीसी एक वैधानिक निकाय है। इसकी स्थापना 1963 में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 के तहत की गई थी। एनसीडीसी के प्रमुख कार्यों में कृषि उत्पादों, खाद्य पदार्थों और अन्य अधिसूचित वस्तुओं के उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन, भंडारण और आयात–निर्यात से जुड़े कार्यक्रमों की योजना बनाना, उन्हें बढ़ावा देना और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना शामिल है। लोकसभा सदस्यों को वितरित विधेयक के अनुसार, इसके जरिये मूल अधिनियम में बदलाव का प्रस्ताव है। इस नये विधेयक के उद्देश्यों और कारणों के विवरण के अनुसार, जून 2021 में अलग सहकारिता मंत्रालय के गठन और केंद्र सरकार द्वारा सहकारी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों के बाद सहकारी क्षेत्र के विकास में एनसीडीसी की भूमिका काफी बढ़ गई है। इसके अनुसार विधेयक में एनसीडीसी के कार्यक्षेत्र (अधिकार क्षेत्र) को बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है। इसके तहत एनसीडीसी का दायरा केवल सहकारी समितियों के माध्यम से कार्यक्रमों की योजना बनाने और उन्हें बढ़ावा देने तक सीमित न रहकर, सहकारी विकास से जुड़े कार्यक्रमों की योजना बनाने और उन्हें बढ़ावा देने तक किया जाएगा। इसके अलावा विधेयक में एनसीडीसी को सहकारी समितियों या सहकारी विकास से जुड़े किसी भी संस्थान को सीधे ऋण और अनुदान देने का अधिकार देने का प्रावधान किया गया है, बशर्ते इन धनराशियों का इस्तेमाल सहकारी उद्देश्यों के लिए किया जाए।

वंदे मातरम् बिल' को महामहिम राष्ट्रपति की मंजूरी, लाल किले पर दिखेगा नया बदलाव

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश 80वें स्वतंत्रता दिवस की तैयारी में जुटा है। इस बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को वंदे मातरम् बिल को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही राष्ट्रीय गीत को भी राष्ट्रीय गान के जैसा कानूनी संरक्षण मिल गया है। बता दें कि देश की संसद ने पिछले महीने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पास किया था। जिसमें राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन किया गया। इस कानून का मकसद वंदे मातरम को भी राष्ट्रीय गान जन गण मन जैसी ही कानूनी सुरक्षा देना है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के बाद यह विधेयक अब कानून बन गया है। अब ऐसे अपराधों के लिए तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों सजा हो सकती है। इससे पहले, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम के तहत राष्ट्रीय गान (जन गण मन) को गाने से जानबूझकर रोकना या इसे गाते समय किसी सभा में बाधा डालना मना था। इन अपराधों के लिए तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों सजा का प्रावधान था। जबकि दूसरी बार और उसके बाद हर बार दोषी पाए जाने पर कम से कम एक साल की जेल की सजा होती थी। पुराने कानून के अनुसार राष्ट्रीय गीत के लिए वैसी सुरक्षा नहीं थी। बिल के मुताबिक वंदे मातरम के गायन के अपमान को रोकने के लिए कोई खास कानूनी प्रावधान नहीं है, जबकि इसे राष्ट्रीय गीत का सम्मान प्राप्त है। इसलिए, किसी व्यक्ति को राष्ट्रीय गीत गाने से जानबूझकर रोकने या ऐसे गायन में लगी किसी सभा में बाधा डालने से रोकने के लिए कानून में संशोधन करके राष्ट्रीय गीत को संरक्षण दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि इस साल स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम गाया जाएगा। 28 जनवरी के एक आदेश में गृह मंत्रालय ने राष्ट्रगीत गाने के लिए प्रोटोकॉल का पहला

सेट जारी किया। इसमें निर्देश दिया गया कि राष्ट्रपति के आगमन, राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राज्यपालों के भाषण जैसे आधिकारिक कार्यक्रमों में इसके छह पद गाए जाएंगे, जिनकी अवधि 3 मिनट 10 सेकंड होगी।

लोकतंत्र सवाल पूछने की आजादी देता है तो जवाब सुनने का दायित्व भी, छात्रों के मुद्दे पर सीएम योगी ने विपक्ष को दी नसीहत

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों के विरोध–प्रदर्शन और उनके खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जवाब से पहले मंगलवार को कहा कि लोकतंत्र सवाल पूछने की आजादी देता है लेकिन जवाब सुनने का दायित्व भी निर्धारित करता है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लोकतंत्र प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता देता है, तो उत्तर सुनने का दायित्व भी निर्धारित करता है। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह विद्यार्थियों से जुड़े विषय पर सदन में विस्तारपूर्वक अपना पक्ष रखने के लिए पूर्णतः तैयार हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस और समूचे विपक्ष से अपेक्षा है कि तथ्यों का सामना करे, सदन की गरिमा बनाए रखे और उत्तर को पूरा सुने। योगी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, लोकतंत्र में बहस से प्रतिष्ठा बढ़ती है, भागने से नहीं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी इस मुद्दे पर कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। मौर्य ने एक्स पर कहा, झूठ का तिलिस्म बुनना, निराधार आरोप लगाना और सच सामने आते ही मैदान छोड़कर भाग खड़ा होना, यही राहुल गांधी और कांग्रेस की राजनीति की असलियत है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का एक ही उसूल है, झूठ बोलो, शोर मचाओ और जब केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तथ्यों के साथ जवाब दें, तो संसद

छोड़कर चले जाओ। मौर्य ने आरोप लगाया, पीढ़ियों तक देश को लूटने और जनता को गुमराह करने वालों में इतना नैतिक साहस नहीं है कि वे तर्कों का सामना कर सकें। उन्होंने कहा कि देश अब कांग्रेस के झूठ, शोर और भ्रम की राजनीति को भली–भांति पहचान चुका है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को कहा था कि सरकार देश भर में विद्यार्थियों के विरोध–प्रदर्शन और पुलिस की कार्रवाई के मुद्दे पर लोकसभा में विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है और अमित शाह इस बहस का जवाब देंगे। उन्होंने कहा था कि विपक्ष को इस जवाब को शांतिपूर्वक सुनने का भरोसा देना होगा। विपक्ष लगातार मांग कर रहा है कि गृह मंत्री पिछले महीने शहर में विरोध–प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के मुद्दे पर सदन में बयान दें।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा का झारखंड बंद, रांची समेत कई जिलों में सड़क पर उतरे कार्यकर्ता

एजेंसी

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की नियुक्ति परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुए पुलिस बल प्रयोग के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से मंगलवार को आहूत झारखंड बंद का राज्य के कई जिलों में असर दिख रहा है। रांची, हजारीबाग, पलामू, गिरिडीह और चतरा जिलों के कई इलाकों में भाजपा कार्यकर्ता बंद के समर्थन में सड़कों पर उतर आए हैं। कई जगहों पर सड़कें जाम कर दी गई हैं। रांची के हरमू चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने टायर जलाकर सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई का विरोध किया। प्रमुख चौक–चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती

की गई है। प्रशासन की ओर से बंद के दौरान कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी बढ़ाई गई है। पलामू जिले में भी बंद का असर सुबह से दिखाई देने लगा। डालटनगंज के छहमुहान और रेडमा चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। पार्टी के पलामू जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने राज्य सरकार पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। सिमडेगा में भी भाजपा कार्यकर्ता सुबह से सड़कों पर उतर आए। बीरू सहित कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग–143 को जाम कर दिया। इससे मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। कार्यकर्ताओं ने छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के खिलाफ नारे लगाए। गिरिडीह के धनवार और चतरा के प्रतापपुर में भी भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सड़क जाम किए जाने की सूचना है।

टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं, फ्रीज बैंक खाते के मामले में हाई कोर्ट के आदेश में दखल से इनकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को अपने फ्रीज किए गए बैंक अकाउंट्स के मामले में फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के उस ऑर्डर में दखल देने से इनकार कर दिया है। जिसमें हाई कोर्ट ने टीएमसी को अंतरिम राहत देने से मना किया था। बता दें कि यह मामला प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से टीएमसी के बैंक खातों को फ्रीज किए जाने से जुड़ा है। न्यायाधीश एमएम सुंदरेश और न्यायाधीश पीबी वराले की बेंच ने कहा कि हाई कोर्ट ने मामले के मौजूदा हालात को देखते हुए

संतुलित ऑर्डर दिया है। कोर्ट ने यह भी ध्यान में रखा कि पार्टी के रोजमर्रा के खर्चों के लिए उसके पास कुछ रकम उपलब्ध है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बैंक अकाउंट फ्रीज किए जाने से जुड़ा मुख्य मामला पहले से कलकत्ता उच्च न्यायालय में लंबित है। पश्चिम बंगाल पुलिस की ओर से अकाउंट फ्रीज किए जाने से जुड़ी एक अन्य याचिका भी हाई कोर्ट के सामने है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस स्तर पर मामले के मूल विवाद पर कोई राय देना उचित नहीं होगा। बेंच ने दोनों मामलों में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए याचिका का निपटारा कर दिया।

सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा ऐलान, सिर्फ ट्रांजिट पॉइंट नहीं, अब स्पिरिचुअल डेस्टिनेशन बनेगी दिल्ली

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को घोषणा की कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी को सिर्फ यात्रियों के लिए एक ट्रांजिट पॉइंट (आने–जाने का जरिया) वाली पारंपरिक छवि से आगे ले जाकर, धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के लिए एक प्रमुख डेस्टिनेशन के तौर पर पेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। नयी दिल्ली में स्पिरिचुअल एंड हेरिटेज टूरिज्म कॉन्क्लेव 2026 को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने शहर को पूरे देश का एक छोटा रूप (माइक्रोकॉस्म) बताया, जहां हर राज्य की परंपराएँ और संस्कृतियाँ मिलती हैं। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, मौजूदा दिल्ली सरकार शहर को देश और दुनिया के सामने पेश करना चाहती है। हमारा खास मकसद यहाँ धार्मिक

और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना है। हम सभी जानते हैं कि लोग अक्सर दिल्ली को सिर्फ एक ट्रांजिट पॉइंट मानते हैं। हालांकि, इस मंच के जरिए मैं पूरे देश के लोगों को बताना चाहती हूँ कि दिल्ली भारत की एक झलक है–एक ऐसा छोटा रूप जहाँ पूरे देश का सार दिखाई देता है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के अनोखे सामाजिक ताने–बाने पर जोर देते हुए कहा कि यह शहर भारत के हर कोने से आए लोगों का घर है, जो सांप्रदायिक सद्भाव का माहौल बनाता है। उन्होंने आगे कहा, यह हर राज्य के लोगों और परंपराओं का घर है। अलग–अलग इलाकों में मनाए जाने वाले त्योहार–चाहे वह गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, केरल, तमिलनाडु, जम्मू–कश्मीर या असम हो सभी दिल्ली में मनाए जाते हैं। शायद ही कोई ऐसा राज्य हो जिसके लोग यहाँ न रहते हों। यही दिल्ली की खूबसूरती है, लोग मिल–जुलकर और प्यार से रहते हैं, एक–दूसरे के त्योहार मनाते हैं और एक–दूसरे के खान–पान का आनंद लेते हैं। गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की पर्यटन रणनीति में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए शहर के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक, दोनों पहलुओं को उजागर करना शामिल है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि देश और दुनिया भर से लोग आएं और इस खूबसूरती का अनुभव करें – न सिर्फ हमारे ऐतिहासिक महत्व का, बल्कि दिल्ली के अनोखे आध्यात्मिक माहौल का भी।

जेन-जी युवा राजनीतिक पार्टियों के हाथों का खिलौना बनें, बल्कि अपने से जुड़े मुद्दों पर आवाज उठाएं : मायावती

संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने देश में चल रहे छात्र और युवा आंदोलनों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों पर निशाना साधा है और युवाओं से अपील की है कि वे उन मुद्दों पर अपनी आवाज उठाएं जो उनसे जुड़े हैं। उन्होंने जेन जी से कहा कि वे राजनीतिक पार्टियों के हाथों का खिलौना न बनें। मंगलवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मायावती ने आरोप लगाया कि सरकार और विपक्षी पार्टियां, दोनों ही छात्रों की वास्तविक समस्याओं को हल करने के बजाय उनके आंदोलन का इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिए करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक पार्टियां, खासकर बीजेपी, कांग्रेस और उनके सहयोगी दल, संसद में अलग–अलग मुद्दों पर हंगामा कर रहे हैं, जिससे जनहित के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि असली मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए विरोधी पार्टियों के बीच कोई समझौता भी हो सकता है। युवाओं की चुनौतियों का जिक्र करते हुए मायावती ने कहा कि जेन जी शिक्षा, रोजगार, भर्ती में देरी, पेपर लीक और अनिश्चित भविष्य जैसी चिंताओं से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक पार्टियों को युवाओं के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों का इस्तेमाल अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए करने के बजाय इन मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए और उन्हें हल करने की कोशिश करनी चाहिए। पेपर लीक और बेरोजगारी को लेकर दिल्ली के जंतर–मंतर पर हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने इस आंदोलन का इस्तेमाल राजनीतिक मकसद के लिए करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि छात्रों और युवाओं की चिंताएं वास्तविक और गंभीर हैं और बसपा हमेशा उनके साथ खड़ी रही है। उन्होंने छात्रों और युवाओं से लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी मांगें उठाना जारी रखने की अपील की, लेकिन साथ ही उन्हें किसी भी राजनीतिक पार्टी का मोहरा बनने से बचने की सलाह भी दी। आरएसएस प्रमुख ने रांची में चल रहे छात्र–युवा

आंदोलन पर भी बात की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल छात्रों की चिंताओं का खुलकर समर्थन नहीं कर रहे हैं, जबकि बीजेपी और उसके समर्थक आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली और रांची, दोनों जगहों पर छात्रों की चिंताओं पर राजनीतिक हित हावी होते दिख रहे हैं। मायावती ने जोर देकर कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों को ही युवाओं की चिंताओं को दूर करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ धीरे–धीरे कम किया जा रहा है और इसके असर को कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र को कमजोर किया जा रहा है और निजी क्षेत्र पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियां मजबूत हो रही हैं जबकि गरीब, बेरोजगार और हाशिए पर रहने वाले वर्ग पीछे छूट रहे हैं। बीएसपी का रुख साफ करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी प्राइवेट सेक्टर के खिलाफ नहीं है, लेकिन वह सरकारी नौकरियों में आरक्षण की तर्ज पर प्राइवेट नौकरियों में भी आरक्षण की वकालत करती है। मायावती ने दावा किया कि जब वह मुख्यमंत्री थीं, तो समाज के सभी वर्गों के साथ निष्पक्ष व्यवहार किया गया और छात्रों की चिंताओं को दूर करने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

भाजपा पूरी तरह से झारखंड के पीड़ित छात्रों के साथ खड़ी : ब्रजेश पाठक

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी पर संसद की मर्यादा तार–तार करने, डबल स्टैंडर्ड अपनाने और छात्रों के नाम पर सिर्फ वोटों की राजनीति करने का आरोप लगाया। ब्रजेश पाठक ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन कांग्रेस जानबूझकर संसद को चलने नहीं दे रही है। डिप्टी सीएम ने कहा कि राहुल गांधी का मकसद संवाद करना नहीं, बल्कि अराजकता फैलाना है। राहुल गांधी ने पहले मांग की थी कि शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें और नीट पर चर्चा हो। जब चर्चा हुई और केंद्र सरकार ने सख्त कानून बनाए, तो राहुल गांधी को चर्चा से कोई मतलब नहीं रहा और उन्होंने तुरंत अपना विषय बदल दिया। ब्रजेश पाठक ने राहुल गांधी को सीधी चुनौती देते हुए कहा राहुल गांधी जी भागना मत! गृह मंत्री हर सवाल का जवाब देंगे। लेकिन कांग्रेस पार्टी संसद चलने ही नहीं दे रही है। ब्रजेश पाठक ने राहुल गांधी के दोहरे रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह बार–बार जंतर–मंतर की घटना को दोहराते हैं, लेकिन झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार (जेएमएम–कांग्रेस गठबंधन) द्वारा छात्रों पर किए गए अत्याचार पर चुप्पी साधे हुए हैं। रांची में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर वाटर कैनन, आंसू गैस के गोले और भयंकर लाठीचार्ज किया गया। छात्रों के रास्ते में कांटेदार तार लगाए गए। ब्रजेश पाठक ने कहा कि जंतर–मंतर और रांची के प्रदर्शन में जमीन–आसमान का अंतर है। रांची के छात्रों ने बिना किसी गाली–गलौज के शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया, लेकिन उन पर बर्बरता की गई। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी जंतर–मंतर तो जाते हैं, लेकिन रांची जाकर वहां के मुख्यमंत्री से इस्तीफा मांगने की हिम्मत नहीं दिखाते।' ब्रजेश पाठक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पूरी तरह से युवाओं और विद्यार्थियों के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद जेन–जी (युवा पीढ़ी) से उनके ही प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया के जरिए सीधा संपर्क साधा और उन्हें भरोसा दिलाया। केंद्र सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ा कानून बना रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी और उनके सहयोगी दल वही लोग हैं जिन्होंने देश में इमरजेंसी (आपातकाल) लगाई थी। अब राहुल गांधी झूठ और अराजकता के नए श्पोस्टर बॉयश बन गए हैं। विपक्ष द्वारा तिरंगा यात्रा पर उठाए जा रहे सवालों पर पलटवार करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि तिरंगा

यात्रा देश के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, इस पर सवाल उठाना गलत है। उन्होंने अंत में कहा कि भाजपा पूरी तरह से झारखंड के पीड़ित छात्रों के साथ खड़ी है और वहां हुए लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा करती है। राहुल गांधी को अपने इस दोहरे रवैये के लिए देश के युवाओं और विद्यार्थियों से तुरंत माफी मांगनी चाहिए।

यूपी में 8 चिकित्साधिकारियों के तबादले, वाराणसी से अयोध्या और लखनऊ तक बदले सीएमएस

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य सेवाओं के प्रशासनिक ढांचे में बदलाव करते हुए आठ चिकित्साधिकारियों के तबादले किए हैं। शासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार कई सरकारी अस्पतालों में तैनात वरिष्ठ परामर्शदाताओं को मुख्य

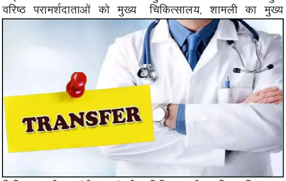

चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई तैनाती में वाराणसी, अयोध्या, शामली, गोंडा, उन्नाव, हरदोई और लखनऊ के प्रमुख सरकारी अस्पताल शामिल हैं। आदेश के अनुसार डॉ. सत्य प्रकाश मिश्र को पंडित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय, वाराणसी का मुख्य चिकित्सा अधीक्षक नियुक्त किया गया है। वह अभी तक इसी अस्पताल में वरिष्ठ परामर्शदाता के पद पर कार्यरत थे। वहीं डॉ. प्रवीण रंजन मिश्र को लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय, रामनगर, वाराणसी का मुख्य चिकित्सा अधीक्षक बनाया गया है। वह इससे पहले इसी अस्पताल में वरिष्ठ परामर्शदाता थे। डॉ. मनोज कुमार अखौरी को जिला संयुक्त चिकित्सालय, शामली का मुख्य चिकित्सा अधीक्षक नियुक्त किया गया है। वह अब तक इसी अस्पताल में वरिष्ठ परामर्शदाता के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इसी तरह डॉ. अजय मोहन भास्कर को श्रीराम चिकित्सालय, अयोध्या का नया मुख्य चिकित्सा अधीक्षक बनाया गया है। वह वर्तमान में इसी अस्पताल में वरिष्ठ परामर्शदाता के पद पर तैनात थे। शासन के आदेश के मुताबिक डॉ. शम्भू दयाल को जिला महिला चिकित्सालय, गोंडा का मुख्य चिकित्सा अधीक्षक बनाया गया है। वह पहले इसी अस्पताल में वरिष्ठ परामर्शदाता के पद पर कार्यरत थे। वहीं डॉ. प्रमोद कुमार दोहरे को 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, बीघापुर, उन्नाव का मुख्य चिकित्सा अधीक्षक नियुक्त किया गया है। वह भी इसी चिकित्सालय में वरिष्ठ परामर्शदाता के रूप में तैनात थे। डॉ. अनिल कुमार शुक्ला को 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, हरदोई का मुख्य चिकित्सा अधीक्षक बनाया गया है। वह इससे पहले इसी अस्पताल में वरिष्ठ परामर्शदाता की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। आदेश में डॉ. अमिताभ श्रीवास्तव की भी नई तैनाती की गई है। वह अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, लखनऊ के पद पर स्थानांतरणाधीन थे। अब उन्हें लोकबन्धु श्री राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय, लखनऊ का मुख्य चिकित्सा अधीक्षक नियुक्त किया गया है। शासन ने तबादला आदेश जारी करते हुए सभी संबंधित चिकित्साधिकारियों को उनकी नई तैनाती वाले स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं। इन तबादलों के बाद प्रदेश के कई प्रमुख राजकीय चिकित्सालयों में प्रशासनिक स्तर पर नई कमान संभाली जाएगी।

वाराणसी में खराब मौसम से दो इंडिगो उड़ानें लखनऊ डायवर्ट

संवाददाता

लखनऊ। वाराणसी में खराब मौसम के चलते मंगलवार को वाराणसी जाने वाली इंडिगो की दो उड़ानों को लखनऊ डायवर्ट किया गया। दोनों विमान लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरे। एयरलाइन की ओर से यात्रियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत जरूरी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इंडिगो की उड़ान 6ई 2442 एनएमआई से वाराणसी जा रही थी। वाराणसी में मौसम खराब होने के कारण विमान को लखनऊ डायवर्ट किया गया। विमान ने दोपहर 1.55 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। इंडिगो की दूसरी उड़ान 6ई 6805 अहमदाबाद से वाराणसी जा रही थी। खराब मौसम के चलते इसे भी लखनऊ डायवर्ट किया गया। विमान ने दोपहर 1.27 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड किया। दोनों उड़ानों के लखनऊ पहुंचने के बाद यात्रियों को आवश्यक सहायता दी जा रही है।

थाने से भागा चोर 24 घंटे के अंदर फिर गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के ठाकुरगंज थाने से पुलिस कस्टडी से फरार हुआ चोरी का आरोपी मो. शानू उर्फ समद 24 घंटे के अंदर फिर गिरफ्तार कर लिया गया। सोमवार सुबह करीब 7 बजे शानू ने शौच जाने की बात कही। संतरी ड्यूटी पर तैनात सिपाही अजीत कुमार उसे थाने के शौचालय तक ले गया। इसी दौरान शानू सिपाही को चकमा देकर भाग गया। सिपाही ने करीब 35 मिनट बाद रात्रि अफसर पंकज सिंह को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने सोमवार देर रात घेराबंदी कर उसे चौपटिया रोड से पकड़ा। आरोपी को 9 अगस्त की रात चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। 10 अगस्त की सुबह शौच जाने के दौरान वह सिपाही को चकमा देकर थाने से भाग गया था। आरोपी के फरार होने के मामले में शानू और रिक्रूट सिपाही अजीत कुमार के खिलाफ अलग मुकदमा दर्ज किया गया है। सिपाही पर ड्यूटी में लापरवाही का आरोप है। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस की 4 टीमें लगाई गई थीं। पन्नी वाली गली, नियाजगंज चौराहा निवासी सुशीला साहू ने 8 अगस्त को ठाकुरगंज थाने में चोरी की तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि 7 अगस्त की रात करीब 2.30 बजे चोर छत के रास्ते घर में घुसा और अलमारी में रखी नकदी व ओप्पो मोबाइल चोरी कर ले गया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और दूसरे सुरागों की मदद से तहसीनगंज निवासी शानू उर्फ मो. समद को पकड़ा था। पुलिस के मुताबिक, उसे 9 अगस्त की रात करीब 11.40 बजे गुलालाघाट इलाके से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसे ठाकुरगंज थाने की हवालात में रखा गया था। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर ठाकुरगंज थाने की 4 टीमें आरोपी की तलाश में जुटी थीं। पुलिस टीम ने सोमवार देर रात करीब 1 बजे चौपटिया रोड पर घेराबंदी की। वहां से शानू उर्फ मो. समद को गिरफ्तार कर लिया।

महंत देव्यागिरी व भाजपा पार्षद के बीच विवाद, मनकामेश्वर मंदिर में जुटी भीड़

संवाददाता

लखनऊ। मनकामेश्वर मंदिर में मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे महंत दिव्या गिरी के समर्थक जुट गए और नारेबाजी करने लगे। समर्थकों का आरोप है कि स्थानीय पार्षद रणजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर महंत दिव्या गिरी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी और गाली–गलौज की है। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में समर्थकों के पहुंचने और नारेबाजी के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। अधिकारी मौके पर पहुंचे और मंदिर प्रशासन के साथ बैठक की। समर्थक मनकामेश्वर मंदिर से नगर निगम तक पैदल मार्च निकालने की मांग पर अड़े रहे। महंत दिव्या गिरी की शिष्या उमा पांडे की ओर से हसनगंज थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। आरोप है कि रविवार और सोमवार को पार्षद रणजीत सिंह ने फेसबुक पर एक पोस्ट किया था। इसमें मंदिर मार्ग पर सावन में लगाए जाने वाले स्वागत द्वार को लेकर आपत्ति जताई गई थी। आरोप लगाया था कि स्वागत द्वार की वजह से पार्षद और पूर्व मेयर का नाम दिखाई नहीं दे रहा था। इसी पोस्ट के बाद महंत के समर्थकों ने आपत्ति जताई और विवाद बढ़ गया। स्थानीय पार्षद रणजीत सिंह ने कहा कि मनकामेश्वर मंदिर का एक परमानेंट गेट बना है, जिस पर गणेश जी की प्रतिमा है। वहीं पर एक स्वागत गेट बनाया गया और इसी दौरान गणेश जी की प्रतिमा को ढक दिया गया। हमारी जो आपत्ति है वह इस बात से है कि गणेश जी की प्रतिमा को क्यों ढकी गई? संबंधित मामले को लेकर नगर निगम से सवाल किया क्योंकि यह कार्य उसी के द्वारा करवाया गया था। इस मामले में महंत देव्या गिरी को लेकर किसी भी प्रकार की टिप्पणी या अभद्रता नहीं की गई। महंत और उनके अनुयायियों की तरफ से लगाए जाने वाले सभी आरोप निराधार और बेबुनियाद हैं। अगर कहीं से भी हमने महंत का अपमान किया है या अभद्र बोला है तो जो भी कानूनी कार्रवाई होगी हमें स्वीकार है।

3 सितंबर व्यापारी दिवस के लिए किया आमंत्रित

संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के 33 वें स्थापना दिवस पर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 3 सितंबर व्यापारी दिवस के अवसर पर स्वदेशी व्यापारी कुंभ आयोजित किया जा रहा है। स्वदेशी व्यापारी मंच के तत्वाधान में आयोजित होने वाले इस कुंभ में प्रदेश के समस्त जनपदों का प्रतिनिधित्व होगा। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल लखनऊ महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी ने कैंपल रोड क्षेत्र के जे0 एस0 लॉन में बैठक की और क्षेत्र के समस्त व्यापारियों को 3 सितंबर को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में आने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि इस स्वदेशी व्यापारिक कुंभ में देश के एक दर्जन से अधिक राज्यों के प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे।

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत "सैनिकों को आभार पत्र" प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता

लखनऊ। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 11 अगस्त 2026 को नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ में राष्ट्रीय कैडेट कोर, 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन द्वारा "सैनिकों को आभार पत्र" विषय पर एक विशेष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता" में, नोडल अधिकारी (हर घर तिरंगा अभियान) मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के संयोजन तथा डॉ. आभा दुबे के सहयोग से किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य देश की सीमाओं की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों के साहस, शौर्य, त्याग एवं बलिदान के प्रति कृतज्ञता और सम्मान की भावना को छात्राओं में प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में 41 एनसीसी कैडेट्स एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने अपने भावों एवं उद्गारों को अत्यंत संवेदनशील, सम्मानपूर्ण एवं रचनात्मक ढंग से आभार पत्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। उनके पत्रों में भारतीय सैनिकों के प्रति सम्मान, राष्ट्रप्रेम और कृतज्ञता की भावनाएँ प्रभावशाली रूप से देखने को मिलीं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रोफेसर संगीता कोतवाल एवं डॉ. क्षमा तिवारी सम्मिलित रहीं। निर्णायक मंडल द्वारा उत्कृष्ट प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करने के उपरांत प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे। प्रथम पुरस्कार कैडेट आराधना बहेलिया, कैडेट आस्था त्रिपाठी,द्वितीय पुरस्कार, कैडेट प्रीति कुमारी,अनन्या साहू,तृतीय पुरस्कार, कैडेट श्रेया राजपूत, शांभवी गुप्ता,सांत्वना पुरस्कार जिज्ञासा यादव, आशी मिश्रा, दीक्षा राजभर, सलोनी प्रजापति,इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं एवं एनसीसी कैडेट्स ने भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हुए राष्ट्रप्रेम, एकता और देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश दिया। कार्यक्रम ने छात्राओं को यह अनुभव करने का अवसर प्रदान किया कि देश की स्वतंत्रता, अखंडता एवं सुरक्षा के लिए हमारे वीर सैनिकों द्वारा किए जा रहे त्याग और समर्पण के प्रति सम्मान व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

ऊर्जा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर टाटा पावर के माइक्रोग्रिड्स ने ग्रामीण भारत तक एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा समाधान पहुंचाए

संवाददाता

लखनऊ। द टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टीपी रिन्यूएबल माइक्रोग्रिड लिमिटेड विकेन्द्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों के अपने एकीकृत पोर्टफोलियो के जरिए ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त ग्रामीण समुदायों के निर्माण की दिशा में अपने प्रयासों को और गति दे रही है। टीपीआरएमजी घरों, किसानों और गांव स्तर के उद्यमों को भरोसेमंद और स्वच्छ बिजली उपलब्ध करा रही है। इन समाधानों से कृषि की उत्पादकता बढ़ रही है, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घट रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ आजीविका व स्थानीय उद्यमों के लिए नए अवसर तैयार हो रहे हैं। टीपीआरएमजी का एकीकृत मॉडल सौर ऊर्जा आधारित माइक्रोग्रिड, सौर सिंचाई, ऊर्जा कुशल उपकरणों और आजीविका बढ़ाने वाले उपकरणों को एक साथ जोड़कर गांवों के दूरदराज गांवों में बदलाव और विकास को नई दिशा दे रहा है। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले का सुनहरी चौराहा गांव इसका एक आदर्श उदाहरण बन चुका है। कृषि अवशेषों और जैविक कचरे से ऊर्जा उत्पादन पर आधारित बायोएनर्जी समाधानों को भी उन क्षेत्रों में विकसित और लागू किया जा रहा है, जहां उनकी तकनीकी और व्यावसायिक व्यवहार्यता सुनिश्चित है। टीपीआरएमजी के माइक्रोग्रिड ग्रामीण उद्यमों को डीजल आधारित बिजली से हरित और भरोसेमंद ऊर्जा की ओर बढ़ने में मदद कर रहे हैं। विभिन्न व्यवसायों की जरूरतों के अनुरूप तैयार किए गए ये समाधान डीजल की खपत में उल्लेखनीय कमी लाने के साथ–साथ कार्बन उत्सर्जन, वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण को भी कम करते हैं। नवीकरणीय ऊर्जा की निरंतर उपलब्धता से ग्रामीण उद्यम अपनी कार्यक्षमता और उत्पादकता बढ़ा सकते हैं। साथ ही, डीजल से चलने वाली मशीनों की जगह माइक्रोग्रिड से संचालित बिजली आधारित मशीनों का उपयोग करके परिचालन लागत में 20 से 30 प्रतिशत तक की बचत भी कर सकते हैं। भरोसेमंद बिजली उपलब्ध होने से दुकानों और अन्य ग्रामीण उद्यमों को अधिक समय तक और बिना रुकावट के संचालित किया जा सकता है। इससे ग्रामीण उद्यमियों को आधुनिक उपकरण अपनाने का अवसर भी मिलता है, जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ती है, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होता है और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं मिलती हैं। सौर ऊर्जा से संचालित सिंचाई समाधान किसानों को डीजल से चलने वाले पंपों का बेहतर विकल्प उपलब्ध करा रहे हैं। इससे सिंचाई की लागत कम होती है और खेती के लिए पानी की उपलब्धता बेहतर बनती है। टीपीआरएमजी डेयरी उद्यमियों को बल्क मिल्क कूलर और अन्य ऊर्जा कुशल दुग्ध प्रसंस्करण उपकरण जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भी सहयोग प्रदान कर रही है। ये समाधान दूध की गुणवत्ता बनाए रखने, ऊर्जा की खपत कम करने और ग्रामीण डेयरी क्षेत्र की पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। कंपनी का विकेन्द्रीकृत ऊर्जा तंत्र गांव स्तर पर कई तरह की गतिविधियों और व्यवसायों को सहयोग प्रदान कर सकता है। इनमें डेयरी मूल्य श्रृंखला से जुड़ी गतिविधियां,जैसे दूध संग्रह, दूध को ठंडा रखना और दुग्ध प्रसंस्करणकृशामिल हैं। इसके अलावा, कृषि प्रसंस्करण क्षेत्र में गुड़ निर्माण, मसाला प्रसंस्करण, तेल निकालने की इकाइयां (ऑयल एक्सपेलर), आटा चक्की जैसी गतिविधियों के साथ–साथ अन्य छोटे ग्रामीण व्यवसायों को भी यह ऊर्जा समाधान समर्थन प्रदान करता है। माइक्रोग्रिड के माध्यम से उपलब्ध कराई जाने वाली बिजली ऊर्जा कुशल तकनीकों को अपनाने को भी बढ़ावा देती है। इनमें बीएलडीसी पंखे, आईई3 और आईई4 मोटर, एलईडी लाइटिंग, ऊर्जा कुशल रेफ्रिजरेशन सिस्टम, मोटर, पंप और आजीविका से जुड़े उपकरण शामिल हैं। इनका उपयोग करके उपभोक्ता बिजली की खपत कम कर सकते हैं, साथ ही अपनी कार्यक्षमता और उत्पादकता में भी सुधार कर सकते हैं। योग्य ग्राहकों के लिए कंपनी चयनित ऊर्जा कुशल उपकरणों की खरीद हेतु आसान वित्तीय सुविधा और ईएमआई विकल्प भी उपलब्ध कराती है। यह सुविधा आवश्यक दस्तावेजों, पात्रता और वित्तीय साझेदार की अंतिम स्वीकृति के अधीन होती है। इस पहल के माध्यम से ग्राहकों को ऊर्जा कुशल उपकरणों और पारंपरिक उपकरणों के बीच अंतर को समझने में मदद मिलती है। साथ ही, वे कम बिजली खपत, बेहतर प्रदर्शन और लंबे समय में होने वाली बचत जैसे लाभों को भी आसानी से समझ पाते हैं। टीपीआरएमजी की स्वच्छ ऊर्जा पहलों से उत्तर प्रदेश में 18,000 से अधिक ग्राहकों और ग्रामीण उद्यमों को लाभ मिला है। कंपनी की गतिविधियों ने ग्रामीण स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आजीविका और रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए हैं। सौर ऊर्जा और बायोएनर्जी पर आधारित टीपीआरएमजी का एकीकृत मॉडल सर्कुलर इकोनॉमी की अवधारणा को भी बढ़ावा देता है। इसके तहत स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कृषि अवशेषों और जैविक कचरे को उपयोगी ऊर्जा में बदला जाता है। इससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होती है और किसानों, ग्रामीण उद्यमियों तथा स्थानीय समुदायों के लिए आय और विकास के नए अवसर पैदा होते हैं।

सीतापुर में 12 अगस्त से 7 अक्टूबर तक धारा-163 लागू, जुलूस-सभा पर अनुमति जरूरी

देवेन्द्र शुक्ला संवाददाता
सीतापुर। आगामी त्योहारों, कांवड़ यात्राओं, स्वतंत्रता दिवस, ईद–ए–मिलादुन्नबी/बारावफात, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, विश्वकर्मा पूजा, अनंत चतुर्दशी और गांधी जयंती समेत प्रस्तावित भर्ती एवं प्रतियोगी परीक्षाओं को देखते हुए सीतापुर में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू कर दिए गए हैं। अपर जिला मजिस्ट्रेट आयुष चौधरी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 की धारा–163 के तहत यह आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार 12 अगस्त 2026 से 7 अक्टूबर 2026 तक पूरे जनपद में पांच से अधिक लोगों के सार्वजनिक स्थल पर एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। किसी भी प्रकार के जुलूस, सभा, रैली या सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए सक्षम अधिकारी से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। प्रशासन ने सोशल मीडिया पर भड़काऊ, आपत्तिजनक या शांति भंग करने वाली सामग्री पोस्ट अथवा फॉरवर्ड करने पर भी रोक लगाई है। सार्वजनिक स्थानों पर शराब, पान, गुटखा और तंबाकू के सेवन पर प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा केंद्रों के आसपास भी विशेष पाबंदियां रहेंगी। परीक्षा के दौरान केंद्रों पर मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ, आईटी गैजेट्स और अन्य प्रतिबंधित सामग्री ले जाने पर रोक होगी। परीक्षा केंद्रों और कोषागार सीतापुर के 200 मीटर के दायरे में निर्धारित परीक्षा तिथियों पर फोटोस्टेट की दुकान, साइबर कैफे, पीसीओ तथा पान–मसाला/गुटखा की दुकानों को बंद रखना होगा। इस क्षेत्र में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर भी प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर आग्नेयास्त्र, तलवार, चाकू, फरसा, बल्लम, लाठी–डंडा आदि लेकर चलने पर रोक लगाई गई है। हालांकि ड्यूटी पर तैनात अधिकारी–कर्मचारी, लाठी के सहारे चलने वाले व्यक्ति तथा धार्मिक अनिवार्यता के कारण निर्धारित शस्त्र रखने वाले सिख समुदाय के लोगों को अपवाद में रखा गया है। बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के डीजे और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग भी प्रतिबंधित रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा–223 सहित अन्य विधिक प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

सीतापुर पुलिस लाइन के सरकारी आवास में मिला हेड कांस्टेबल का शव, मची खलबली

दीपेन्द्र भदौरिया ब्यूरो चीफ
सीतापुर। नगर कोतवाली क्षेत्र पुलिस लाइन स्थित सरकारी आवास में सोमवार को हेड कांस्टेबल का शव मिलने से हड़कंप मच गया। आवास से दुर्गंध आने की सूचना पर पहुंची कोतवाली नगर पुलिस ने दरवाजा खुलवाकर जांच की तो फर्श पर मुख्य आरक्षी अजय कुमार का शव पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग के अधिकारियों और फील्ड यूनिट ने मौके पर पहुंचकर जांच–पड़ताल की। क्षेत्राधिकारी नगर कपूर कुमार के अनुसार, 10 अगस्त देर रात को पुलिस लाइन के टाइप–1 आवास संख्या 142 से बदबू आने की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आवास का निरीक्षण किया, जहां हेड कांस्टेबल अजय कुमार का शव बरामद हुआ। मृतक मूल रूप से उन्नाव जनपद के रहने वाले थे। बताया गया कि अजय कुमार का पिछले वर्ष ही लखीमपुर खीरी जनपद के लिए स्थानांतरण हो चुका था। उन्हें 21 नवंबर 2025 को लखीमपुर खीरी के लिए रवाना भी कर दिया गया था, लेकिन उन्होंने पुलिस लाइन स्थित अपना सरकारी आवास अब तक खाली नहीं किया था। पुलिस के मुताबिक, मौके पर उच्चाधिकारियों और फील्ड यूनिट ने बारीकी से निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में घटना स्थल से किसी आपराधिक कृत्य के स्पष्ट साक्ष्य नहीं मिले हैं। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम चिकित्सकों के पैनल से कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई जाएगी। पुलिस ने मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत मछरेहटा में निकली विशाल तिरंगा रैली

अश्वनी कुमार मछरेहटा संवाददाता
मछरेहटा, सीतापुर। हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को मछरेहटा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विशाल तिरंगा रैली निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता देशभक्ति के नारों के साथ रैली में शामिल हुए। रैली के दौरान पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल नजर आया। तिरंगा रैली का शुभारंभ फूलमती माता मंदिर से हुआ। यहां से भाजपा कार्यकर्ता तिरंगा लेकर अनुशासित ढंग से आगे बढ़े और राठौर स्थित शहीद स्तंभ पहुंचे। रैली में शामिल कार्यकर्ताओं नें लोगों को हर घर तिरंगा अभियान के प्रति जागरूक किया। रैली में क्षेत्रीय विधायक रामकृष्ण भार्गव सहित भाजपा के कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। विधायक ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान देश के प्रति सम्मान, एकता और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। उन्होंने लोगों से अभियान के तहत अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। इस अवसर पर अंजनी कुमार शुक्ला, कृष्ण रस्तोगी, मनोज रावत, अनिल रस्तोगी, काजू प्रधान, आशुतोष त्रिपाठी और अंशु सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। शहीद स्तंभ पर पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं ने देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। तिरंगों से सजे मार्ग और देशभक्ति के नारों से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नजर आया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना और स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के बलिदान को याद करना है।

दिव्यांगजन को डीएम ने प्रदान की ट्राईसाइकिल, आवागमन में मिलेगी सुविधा

दीपेन्द्र भदौरिया ब्यूरो चीफ
सीतापुर। दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने तम्बौर थाना क्षेत्र के चिड़िमारन टोला निवासी दिव्यांगजन राकेश कुमार को ट्राईसाइकिल प्रदान की। राकेश कुमार ने आवागमन में होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए जिलाधिकारी को प्रार्थना–पत्र देकर ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। जिलाधिकारी ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई कर पात्रता के आधार पर ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद जिला प्रशासन द्वारा उन्हें सहायक उपकरण उपलब्ध कराया गया। दिव्यांगता प्रमाण–पत्र के अनुसार राकेश कुमार के निचले अंगों में 80 प्रतिशत स्थायी दिव्यांगता है। ट्राईसाइकिल मिलने से उनके दैनिक आवागमन, आवश्यक कार्यों और अन्य गतिविधियों में सुविधा होगी तथा दूसरों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि दिव्यांगजनों का कल्याण एवं सशक्तिकरण शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। पात्र दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और सहायक उपकरणों का लाभ दिलाया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार कर पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध लाभ उपलब्ध कराया जाए।

विधायक शशांक त्रिवेदी के नेतृत्व में ऐलिया मंडल में निकली भव्य तिरंगा बाइक रैली

'हर घर तिरंगा, घर–घर तिरंगा' के संदेश के साथ राष्ट्रभक्ति से सराबोर हुआ ऐलिया मंडल

दीपेन्द्र भदौरिया ब्यूरो चीफ
सीतापुर। विधानसभा महोली के ऐलिया ब्लॉक अंतर्गत ऐलिया मंडल में देशभक्ति से ओत–प्रोत भव्य तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली में युवाओं, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। हाथों में तिरंगा लिए बाइक सवारों के जोश और उत्साह से पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के जयघोष से वातावरण गूंजता रहा। रैली में महोली विधायक शशांक त्रिवेदी की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं ने 'हर घर तिरंगा, घर–घर तिरंगा' अभियान के तहत राष्ट्रप्रेम, एकता और अखंडता का संदेश जन–जन तक पहुंचाया। कार्यक्रम में ऐलिया मंडल अध्यक्ष प्रेम नारायण मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि संजय सिंह संजू, रोजगार संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष नागेंद्र सिंह, अवधेश सिंह, ग्राम प्रधान जफर, प्रधान हरजीत सिंह, प्रधान प्रतिनिधि प्रभात मिश्रा, प्रधान देवेंद्र सिंह, प्रधान प्रतिनिधि संजीत सिंह सहित ग्राम प्रधान, बीडीसी सदस्य, संगठन के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। तिरंगा बाइक रैली के दौरान युवाओं और कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। आयोजकों ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान, राष्ट्रीय एकता और गौरव की भावना को मजबूत करने का संकल्प है।

चोरी की बाइक बरामद, शातिर गिरफ्तार, सीतापुर में 9 वांछित–वारंटी भी दबोचे

दीपेन्द्र भदौरिया ब्यूरो चीफ
सीतापुर। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सीतापुर पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है। महमूदाबाद पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल बरामद करते हुए एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है, वहीं जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कुल नौ वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। महमूदाबाद पुलिस ने क्षेत्राधिकारी वेदप्रकाश श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में केदारपुर तिराहा–पैतेपुर रोड के पास चेकिंग के दौरान विशाल उर्फ विकास उर्फ छोटू पुत्र पुत्तीलाल निवासी बिलासपुर कला को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक उसके कब्जे से चोरी की हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद हुई है। यह बाइक 8 अगस्त को रामलीला स्कूल, मोहल्ला फीलखाना, पैतेपुर से चोरी हुई थी। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान न्यायालय किया गया है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ पूर्व में चोरी, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट समेत पांच मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा वारंटी और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए गए विशेष अभियान में थाना रामपुरकलां पुलिस ने चार वारंटी रज्जा, दिनेश यादव, छत्रपाल और हरिनाम वर्मा को गिरफ्तार किया। मानपुर पुलिस ने संतोष यादव और नरेश यादव, जबकि रामकोट पुलिस ने पप्पू को गिरफ्तार किया। इसी क्रम में महमूदाबाद पुलिस ने कमलेश को वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया। वहीं रामपुर मथुरा पुलिस ने मु0अ0सं0 180/26 में वांछित सुनील पुत्र रामतीरथ कोरी निवासी बरुई को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर चल रहे इस अभियान के तहत पुलिस द्वारा गंभीर अपराधों में संलिप्त आरोपियों और न्यायालय से संबंधित वारंटियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

सीमा विवाद के चक्कर में 4 घंटे नदी में उतराती रही लाश

नैमिषारण्य और बेनीगंज पुलिस के बीच उलझा क्षेत्राधिकार का पेंच, नायब तहसीलदार व राजस्व टीम ने सुलझाया मामला

दीपेन्द्र भदौरिया ब्यूरो चीफ
सीतापुर। नैमिषारण्य थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब हरदोई जनपद की सीमा से सटे बेलहरी गांव के पास हथियाघाट पर नदी में करीब 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव उतराता मिला। शव के सिर पर खून के गहरे निशान थे। युवक का शव सफेद कपड़े और डोरी से बंधा था। उसने लाल रंग की चेकशर्ट और लोअर पहन रखा था। शव की हालत देखकर हत्या कर उसे नदी में फेंके जाने की आशंका से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर नैमिषारण्य (सीतापुर) और बेनीगंज (हरदोई) थाने की पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन शव किस थाना क्षेत्र में है, इसे लेकर क्षेत्राधिकार का पेंच फंस गया। दोनों थानों की पुलिस के बीच सीमा को लेकर काफी देर तक माथापच्ची होती रही। इस दौरान शव करीब चार घंटे तक नदी में ही उतराता रहा। मामला नहीं सुलझने पर मौके पर नायब तहसीलदार, लेखपाल समेत मिश्रिख और हरदोई की राजस्व टीमों को बुलाया गया। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में मौके पर नक्शा खुलवाकर सीमा की नाप–जोख कराई गई। राजस्व टीम की जांच के बाद क्षेत्राधिकार स्पष्ट हुआ और चार घंटे बाद शव को नदी से बाहर निकलवाया गया। थानाध्यक्ष नवनीत मिश्रा ने बताया कि सीमा को लेकर प्रारंभ में कुछ असमंजस की स्थिति बनी थी, जिसे राजस्व कर्मियों ने मौके पर स्पष्ट कर दिया। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक की पहचान के लिए आसपास के थानों से गुमशुदगी के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

ट्राईसाइकिल प्राप्त होने पर राकेश कुमार ने जिलाधिकारी एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया, दिव्यांगजन को डीएम ने प्रदान की ट्राईसाइकिल, आवागमन में मिलेगी सुविधा

दीपेन्द्र भदौरिया ब्यूरो चीफ
सीतापुर। दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने तम्बौर थाना क्षेत्र के चिड़िमारन टोला निवासी दिव्यांगजन राकेश कुमार को ट्राईसाइकिल प्रदान की। राकेश कुमार ने आवागमन में होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए जिलाधिकारी को प्रार्थना–पत्र देकर ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। जिलाधिकारी ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई कर पात्रता के आधार पर ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद जिला प्रशासन द्वारा उन्हें सहायक उपकरण उपलब्ध कराया गया। दिव्यांगता प्रमाण–पत्र के अनुसार राकेश कुमार के निचले अंगों में 80 प्रतिशत स्थायी दिव्यांगता है। ट्राईसाइकिल मिलने से उनके दैनिक आवागमन, आवश्यक कार्यों और अन्य गतिविधियों में सुविधा होगी तथा दूसरों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि दिव्यांगजनों का कल्याण एवं सशक्तिकरण शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। पात्र दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और सहायक उपकरणों का लाभ दिलाया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार कर पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध लाभ उपलब्ध कराया जाए। ट्राईसाइकिल प्राप्त होने पर राकेश कुमार ने जिलाधिकारी एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

भगवान शिव का अलौकिक श्रृंगार, रुद्राभिषेक में उमड़ी भीड़

आचार्य बउआलाल तिवारी के सानिध्य में रुद्राभिषेक सम्पन्न

जनपद कानपुर नगर घाटमपुर। सावन का महीना भगवान शिव की आराधना और उपासना का विशेष समय माना जाता है। सावन के महीने में घर में रुद्राभिषेक करना अत्यंत शुभ व फलदायक माना जाता है। नौरंगा स्थित प्रिन्स ज्वैलर्स के निवास में सावन के दूसरे सोमवार को विद्वान आचार्य बउवालाल तिवारी के सानिध्य में व अन्य सहायक आचार्यों इष्टदेव शुक्ला, किशनू तिवारी के द्वारा विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ बाबा भोलेनाथ को दूध, दही, बेलपत्र, धतूरा, शहद, फल, मिष्ठान, फूल, जल, घी आदि सुगन्धित विशेष सामग्रियां अर्पित कर रुद्राभिषेक किया गया। इस दौरान बाबा भोलेनाथ का अद्भुत श्रृंगार देखकर लोग भाव विभोर हो गए। भगवान शंकर की दिव्य आरती में सैकड़ों की संख्या में भक्त उपस्थित रहे जहां भक्तों ने भगवान शिव के अलौकिक स्वरूप के दर्शन कर सुख एवं समृद्धि की कामना की। रुद्राभिषेक के दौरान प्रसिद्ध गायक मुकेश भदौरिया एवं लज्जा श्रीवास्तव द्वारा गाए गए बाबा भोलेनाथ के भजनों व कीर्तनों पर लोग झूम उठे। रुद्राभिषेक सम्पन्न होने के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र व आसपास के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान प्रिन्स सोनी (प्रिंस ज्वैलर्स), आशीष सोनी, शौर्य सोनी, छवि सोनी, रिमा सोनी, अंशू, रिया सोनी, रीतू समेत अनेक भक्तगण उपस्थित रहे।

यमुना में अवैध मछली पकड़ने का खेल जारी, प्रशासन बेखबर

ग्रामीणों में आक्रोश, कार्रवाई की उठाई मांग

संवाददाता पवन शर्मा
कदौरा जालौन। कदौरा क्षेत्र की ग्राम पंचायत पाली–पिपरिया डेरा के समीप यमुना नदी में अवैध रूप से मछली पकड़ने का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोग बिना किसी वैध ठेके और अनुमति के यमुना से बड़े पैमाने पर मछलियां पकड़कर खुलेआम बेच रहे हैं, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंच रहा है और मत्स्य संसाधनों का भी दोहन हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार सुबह और शाम के समय लगातार अवैध रूप से मछलियां पकड़ी जाती हैं और उन्हें बाजार मूल्य से अधिक दामों पर बेचा जाता है। उनका कहना है कि इस अवैध कारोबार पर संबंधित विभाग और प्रशासन की नजर नहीं पड़ रही है, जिससे मछली माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। ग्रामीणों ने शासन–प्रशासन से मांग की है कि यमुना में चल रहे इस अवैध मछली पकड़ने के कारोबार की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि सरकारी राजस्व की रक्षा हो सके और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके।

पुलिस अधीक्षक महोदया सुलतानपुर द्वारा जनसुनवाई कर जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु दिए गए आवश्यक निर्देश

भारत भूषण मिश्रा पत्रकार
सुल्तानपुर। आज दिनांक 11.08.2026 को पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर श्रीमती चारू निगम द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की गई। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना गया। पुलिस अधीक्षक महोदया ने संबंधित राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को वर्चुअल/दूरभाष के माध्यम से निर्देशित किया कि प्राप्त प्रार्थना–पत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही प्रत्येक प्रकरण में पारदर्शिता एवं विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ताओं को की गई कार्यवाही से अवगत कराने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनशिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

सड़क के बीच लगे विद्युत पोल को कॉलोनी वासियों ने हटाने की मांग की

इरफान अली जिला ब्यूरो देवरिया
भाटपार रानी देवरिया। भाटपार रानी उप नगर के बीचों–बीच स्थित विंध्यवासिनी कॉलोनी में सड़क के बीचो–बीच लगे विद्युत पोल को हटाने की मांग कॉलोनी वासियों ने की। उक्त संदर्भ में विनोद कुमार रौनियार ने नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय कुमार गुप्ता एवं विद्युत विभाग से मांग की है कि जनहित में सड़क के बीच लगे विद्युत खंभे को हटाकर किनारे लगाया जाए। कॉलोनी वासियों का कहना है कि विंध्यवासिनी कॉलोनी में सड़क काफी सकरी हो गई है कॉलोनी में प्रवेश करने के लिए इस समय चार पहिया वाहनों के लिए वन वे रास्ता हो गया है एक तरफ से कॉलोनी में गाड़ियां प्रवेश करेंगे और दूसरे रास्ते से निकलेंगी क्योंकि सड़क इतनी सकरी है की दोनों तरफ से गाड़ियां नहीं पास कर सकती हैं जो दूसरे रास्ते से गाड़ियां निकलेंगी इसी रास्ते पर सड़क के बीचो–बीच विद्युत पोल होने से चार पहिया वाहन गाड़ियों को आने–जाने में काफी दिक्कत होगी इसलिए जनहित में विद्युत पोल को वहां से हटकर किनारे लगाने के मांग सभी कॉलोनी वासियों ने की है।

सम्पादकीय

परीक्षा की घड़ी, एनटीए के लिए सुरक्षा व पारदर्शिता जरूरी

ऐसे वक्त में जब नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने से उपजे छात्र आक्रोश से देश हाल ही में दो–चार हुआ है, देश के परीक्षा सिस्टम पर प्रतिभागियों का भरोसा कायम करना अपरिहार्य शर्त है। हाल के वर्षों में केंद्रीय स्तर और राज्यों में विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षाएं स्थगित होने और परीक्षा परिणामों को लेकर किंतु–परंतु होने की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं। झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन बदस्तूर जारी है। ऐसे में विश्वसनीयता के सवालों से जूझ रही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए का इंटेलिजेंस, कानून लागू करने वाली एजेंसियों तथा डिफेंस फोर्सेज के अनुभवी लोगों को अपने परीक्षा सुरक्षा कमांड सेंटर में शामिल करने का निर्णय एक स्वागत योग्य कदम है। ये प्रयास दूसरी ओर हमें यह भी बताते हैं कि देश में महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाएं कितनी संवेदनशील व असुरक्षित हो गई हैं। नए प्रावधानों के अनुसार इसके टेस्ट सिक्योरिटी और लाइव ऑपरेशन्स अनुभाग के प्रस्तावित जनरल मैनेजर परीक्षा प्रक्रिया के लगभग हर संवेदनशील हिस्से की देखरेख करेंगे, जिसके अंतर्गत प्रश्नपत्र तैयार करने, एन्क्रिप्शन से लेकर ट्रांसपोर्टेशन, स्टोरेज, वितरण और रियल–टाइम मॉनिटरिंग भी शामिल रहेगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, सीसीटीवी निगरानी और परीक्षा के उपरांत डेटा एनालिसिस से परीक्षा व्यवस्था के पारदर्शी व विश्वसनीय होने की उम्मीद की जा सकती है। निस्संदेह, नीट प्रवेश परीक्षा विवाद के उपरांत प्रतिभागियों में भरोसा कायम करने की दिशा में यह एक गंभीर कोशिश होती नजर आती है। लेकिन एक बात तो तय है कि सिर्फ तकनीक के जरिए सिस्टम की खामियां दूर नहीं की जा सकतीं। हालिया नीट–यूजी पेपर लीक प्रकरण में सीबीआई की जांच में एनटीए के अपने ही गोपनीय विभाग में खामियां पाई गई थीं, मसलन संतोषजनक ढंग से तलाशी न लेना, सीसीटीवी की अपर्याप्त निगरानी, जिम्मेदारियों का सही बंटवारा न होना तथा अंतिम प्रश्न सेट तक बहुत अधिक लोगों की पहुंच होना, जिसने परीक्षा प्रश्नपत्र के लीक संकट को जन्म दिया। दरअसल, सीबीआई जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि परीक्षा प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञ एक–दूसरे के संपर्क में थे, जिससे परीक्षा की गोपनीयता की सुरक्षा का एक बुनियादी नियम भंग हो गया। वास्तव में, नियमानुसार किसी भी एक व्यक्ति की पहुंच पेपर के सभी फाइनल सेट तक नहीं होनी चाहिए। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इस कथित गड़बड़ी के लिए किसी हाई–लेवल हैकिंग की जरूरत नहीं पड़ने दी गई। दरअसल, भ्रष्ट लोगों ने परीक्षा प्रक्रिया की मामूली खामियों का फायदा चालाकी से उठाया। निस्संदेह, यह बात किसी भी साइबर खतरे के मुकाबले नीति बनाने वालों के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि दो सप्ताह पूर्व ही धर्मेंद्र प्रधान की जगह शिक्षा मंत्री बने प्रह्लाद जोशी के कंधों पर एक मजबूत, पारदर्शी और भरोसेमंद परीक्षा सिस्टम बनाने की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्हें विषय की संवेदनशीलता को समझते हुए तुरंत विश्वास बहाली के लिए काम आरंभ करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि न केवल छात्र, बल्कि उनके अभिभावक व सारा देश फिर से निराश न हो सके। इसी तरह, एनटीए का प्रस्तावित कमांड सेंटर सिर्फ अफसरशाही का एक और विस्तार बनकर नहीं रह जाना चाहिए। वास्तविक अर्थों में इस प्रस्तावित कमांड सेंटर को स्वतंत्र रूप से काम करने का अवसर मिले, स्पष्ट रूप से जवाबदेही तय हो और सुरक्षा में कोई गड़बड़ी पाए जाने पर परीक्षा प्रक्रिया को रोकने का अधिकार मिलना ही चाहिए। निश्चित रूप से देश के लाखों छात्रों के लिए परीक्षा व्यवस्था का निष्पक्ष व पारदर्शी होना ही पहली शर्त है।

राशिफल

मेष :– अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली रहेगी।

बृषभ :– शासन–सत्ता से जुड़े लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुन :– संबंधों में व्यवहार कुशल बने। सामाजिक एवं मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागेदारी संभव। निकट संबंधों में अपनी अच्छी छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता से उत्साहित होंगे।

कर्क :– विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ उठाएंगे।

सिंह :– जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है। नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का एहसास होगा। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कन्या :– पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे। शिक्षा में समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन नकारात्मक चिंताओं से बोझिल होगा।

तुलाः– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। पारिवारिक वातावरण में उत्साह का माहौल रहेगा। दुबिधाओं का त्याग कर लक्ष्य पर केंद्रित हों।

वृश्चिक :– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में ब्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आसपास का माहौल प्रसन्न होगा।

धनु :– कठिन एवं विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा में बढ़ेगी। घरेलू दायित्वों की पूर्ति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मकर :– कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकट संबंधों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। गैर सांस्कारिक कायरे की आकर्षित मन पर अंकुश लगायें।

कुंभ :– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परंतु निराशावादी विचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ऊर्जा की अनुभूति होगी। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

मीन :– नकारात्मक चिंताओ को त्याग अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी–पेशे में अधिकारियो व सहकर्मियो के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनीति से जुड़े लोगों का सहयोग मिलेगा।

रूस से तेल खरीद, निर्यात और आर्थिक कूटनीति की नई अग्निपरीक्षा?

किशन सनमुखदास भवनानी

वैश्विक स्तरपर, भारत के सामने एक साथ चार ऐसे घटनाक्रम खड़े हैं,जिनका असर केवल तत्काल राजनीति या कूटनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, विदेशी व्यापार, निवेश, शेयर बाजार, गैर–सरकारी क्षेत्र और भारत की दीर्घकालिक विकास रणनीति तक पहुंच सकता है। 8 अगस्त 2026 को शाम 6 तक की स्थिति देखें तो,भारत के आर्थिक, वाणिज्यिक कूटनीतिक और विधायी परिदृश्य में एक साथ कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम दिखाई दे रहे हैं संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त तक चलना है और इसी बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे निर्णय और प्रस्ताव सामने आए हैं, जिनका प्रभाव भारत की ऊर्जा सुरक्षा, निर्यात, विदेशी निवेश,शेयर बाजार, गैर–सरकारी संस्थाओं तथा दीर्घकालीन आर्थिक विकास पर पड़ सकता है। एक ओर अमेरिकी सीनेट ने रूस और ईरान पर प्रतिबंधों से जुड़ा लिंडसे ओं ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ़ 2026 क़ो बहुत भारी बहुमत 86 / 11 (यानें 11 के मुकाबले 86) मतों से पारित किया है,जिसमें रूस की ऊर्जा खरीद करने वाले देशों पर राष्ट्रपति को 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देने का प्रावधान है; दूसरी ओर सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान ने मक्का में सामूहिक रक्षा समझौता किया है। साथ ही भारत में एफसीआरए व्यवस्था को और कठोर बनाने वाला प्रस्तावित संशोधन और कराधान एवं अन्य विधियां (संशोधन) विधेयक 2026 इनमें सबसे महत्वपूर्ण अमेरिकी सीनेट द्वारा रूस और ईरान से संबंधित प्रतिबंध विधेयक को मंजूरी सऊदी अरब–तुर्किये–पाकिस्तान का संयुक्त रक्षा समझौता, विदेशी अंशदान विनियमन कानून में संभावित संशोधन और कराधान संबंधी संशोधन विधेयक का लोकसभा से पारित होना है। इन चारों घटनाक्रमों को अलग–अलग देखने के बजाय एक साथ समझना भारत की भविष्य की आर्थिक और रणनीतिक दिशा के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथियों बात अगर हम पहले मोर्चे रूस से तेल और अमेरिकी 100 प्रतिशत टैरिफ का खतरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा बनाम निर्यात सुरक्षा, इसको समझने की करें तो अमेरिकी सीनेट ने रूस और ईरान से संबंधित प्रतिबंध विधेयक को 86 के मुकाबले 11 मतों से पारित किया है। प्रस्तावित व्यवस्था के अंतर्गत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले भारत,चीन,अजरबैजान, हंगरी और स्लोवाकिया जैसे देशों से अमेरिका आने वाले सामान पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने का अधिकार राष्ट्रपति को मिल सकता है। हालांकि यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि यह अभी कानून नहीं बना है। इसे अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से पारित होना और उसके बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलना आवश्यक है।इसलिए वर्तमान स्थिति को भारत पर तत्काल 100 प्रतिशत शुल्क लागू होना कहना सही नहीं होगा।अतः फिर भी भारत के लिए यह गंभीर आर्थिक संकेत है। रूस से सस्ता कच्चा तेल मिलने के कारण भारतीय तेल शोधन कंपनियों को पिछले कुछ वर्षों में लागत नियंत्रित करने में सहायता मिली है।यदि अमेरिकी दबाव के कारण भारत को रूसी तेल की खरीद कम करनी पड़ती है और महंगे स्रोतों से तेल लेना पड़ता है तो इसका प्रभाव केवल तेल कंपनियों तक सीमित नहीं रहेगा। परिवहन, विमानन,रसायन, उर्वरक, प्लास्टिक, विनिर्माण और अन्य अनेक उद्योगों की लागत बढ़ सकती है। इससे महंगाई पर भी दबाव उत्पन्न हो सकता है।दूसरी ओर यदि भारत रूसी तेल खरीद जारी रखता हैऔर अमेरिका भारतीय उत्पादों परअत्यधिक शुल्क लगाता है तो अमेरिका को निर्यात करने वाली भारतीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता प्रभावित हो सकती है। वस्त्र, औषधि, इंजीनियरिंग उत्पाद, वाहन कलपुर्जे, रत्न–आभूषण और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना होगा। साथियों, लेकिन इस चुनौती में भारत के लिए अवसर भी छिपा है।भारत को अमेरिका पर अत्यधिक निर्भरता घटाते हुए यूरोप,अफ्रीका,पश्चिम एशिया,दक्षिण–पूर्व एशिया और लैटिन अमेरिका में नए बाजार विकसित करने चाहिए। इससे किसी एक देश की व्यापार नीति में परिवर्तन का भारतीय निर्यात पर अत्यधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा।कच्चे तेल की कीमत और भारतीय अर्थव्यवस्था पश्चिम एशिया में जारी तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव बना हुआ है। 8 अगस्त को दिए गए आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी डब्ल्यूटीआई कच्चे तेल में लगभग 1.15 प्रतिशत और ब्रेंट कच्चे तेल में लगभग 1.29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।भारत के लिए कच्चे तेल की कीमत अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है। तेल महंगा होने पर देश का आयात व्यय बढ़ सकता है, व्यापार घाटे पर दबाव आ सकता है और रुपये की विनिमय दर प्रभावित हो सकती है। शेयर बाजार में भी इसका असर अलग–अलग क्षेत्रों में दिखाई दे सकता है। विमानन, परिवहन और अधिक ईंधन खर्च करने वाले उद्योगों पर दबाव बढ़ सकता है, जबकि ऊर्जा क्षेत्र की कुछ कंपनियों को लाभ हो सकता है।इसलिए निवेशकों को आने वाले समय में केवल शेयर बाजार के सूचकांकों पर ही नहीं, बल्कि कच्चे तेल की कीमत, रुपये की स्थिति, भारत का व्यापार घाटा और अमेरिकी व्यापार नीति पर भी नजर रखनी होगी। साथियों बात अगर हम दूसरा मोर्चारूमक्का रक्षा समझौता भारत के लिए नया पश्चिम एशियाई रणनीतिकसमीकरण इसको समझने की करें तो,7 अगस्त को सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान ने मक्का में संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किएइसके अंतर्गत किसी एक देश पर सशस्त्र हमला होने की स्थिति में तीनों देशों के बीच सामूहिक रक्षा सहयोग की व्यवस्था की गई है। इसे कई विश्लेषक एक नए क्षेत्रीय सुरक्षा समूह के रूप में देख रहे हैं, हालांकि इसे तत्काल औपचारिक रूप से इस्लामी नाटो कहना उचित नहीं होगा।भारत के लिए इस समझौते का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि सऊदी अरब भारत का महत्वपूर्ण ऊर्जा और निवेश साझेदार है, जबकि पाकिस्तान भारत का पड़ोसी और सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील देश है। तुर्किये भी पश्चिम एशिया और व्यापक अंतरराष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है।भारत को इस घटनाक्रम को केवल भारत–पाकिस्तान संबंधों के दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए। पश्चिम एशिया भारत के लिए ऊर्जा, व्यापार, रोजगार, निवेश और समुद्री सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत को सऊदी अरब तथा अन्य खाड़ी देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंध और मजबूत करने होंगे।इसका सबसे बड़ा अवसर भारत की ऊर्जा स्रोतों में विविधता है। रूस के साथ संबंध बनाए रखते हुए भारत को खाड़ी देशों, अमेरिका, अफ्रीका और अन्य ऊर्जा उत्पादक देशों से भी दीर्घकालीन आपूर्ति व्यवस्था विकसित करनी होगी। इससे किसी एक क्षेत्र में संकट उत्पन्न होने पर भारत की ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित नहीं होगी। साथियों बात अगर हम तीसरा मोर्चारू एफसीआरए संशोधन राष्ट्रीय सुरक्षा और पारदर्शिता बनाम नागरिक समाज की स्वतंत्रता इसको समझने की करें तो एफसीआरए का विषय आर्थिक से अधिक संस्थागत और लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ है।विदेशी अंशदान विनियमन कानून विदेशी स्रोतों से भारत में आने वाले धन पर नियंत्रण और निगरानी का प्रमुख कानून है। इसका प्रभाव गैर–सरकारी संगठनों, न्यासों, समितियों, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं पर विशेष रूप से पड़ता है।प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य सरकार के अनुसार विदेशी धन की पारदर्शिता, निगरानी और जवाबदेही बढ़ाना है। संभावित बदलावों में विदेशी धन के वास्तविक अंतिम स्रोत की जानकारी, धन के उपयोग की अधिक कठोर निगरानी तथा विदेशी धन से बनाई गई संपत्तियों के संबंध में सरकार द्वारा नियुक्त प्राधिकरण को अधिकार देने जैसे प्रावधान शामिल हैं।यदि किसी संस्था का विदेशी अंशदानपंजीकरण समाप्त या निरस्त होता है तो विदेशी धन से बनाई गई संपत्तियों के प्रबंधन और निपटान को लेकर सरकारी नियंत्रण बढ़ सकता है। संस्थाओं को लेखा–जोखा, लेखा परीक्षण, दानदाताओं की जानकारी और धन के उपयोग का अधिक विस्तृत विवरण देना पड़ सकता है।सरकार का तर्क है कि इससे विदेशी धन के दुरुपयोग, अवैध गतिविधियों और बाहरी हस्तक्षेप को रोकने में सहायता मिलेगी।साथियों दूसरी ओर आलोचकों का कहना है कि अत्यधिक कठोर व्यवस्था से छोटे गैर–सरकारी संगठनों पर अनुपालन का बोझ बढ़ सकता है और शिक्षा, स्वास्थ्य राहत तथा सामाजिक कार्य करने वाली संस्थाओं के लिए विदेशी सहायता प्राप्त करना कठिन हो सकता है।यही कारण है कि इस कानून के केंद्र में एक महत्वपूर्ण प्रश्न है, राष्ट्रीय सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए नागरिक समाज की स्वतंत्रता और कार्यक्षमता का संतुलन कैसे बनाया जाए?जहां तक 10, 11 और 12 अगस्त को कांग्रेस द्वारा अपने सांसदों के लिए तीन पंक्तियों का सचेतक जारी किए जाने और 12 अगस्त को विधेयक आने की संभावना का प्रश्न है, इसे फिलहाल राजनीतिक आशंका और संभावित संसदीय घटनाक्रम के रूप में देखना उचित होगा। जब तक आधिकारिक कार्यसूची में स्पष्ट रूप से इसे शामिल न किया जाए, इसे निश्चित कार्यक्रम मानना उचित नहीं होगा। साथियों बात अगर हम चौथा मोर्चारू6 अगस्त को लोकसभा ने टैक्सशन एंड अदर लॉस (अमेन्डमेंट) बिल, 2026 पारित किया। कर सुधार और विदेशी निवेश के लिए नया अवसरकराधान और अन्य विधियां (संशोधन) विधेयक, 2026 के लोकसभा से पारित होने को भारत की आर्थिक नीति में महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। इसका उद्देश्य विदेशी निवेश को आकर्षित करना, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के विनिर्माण को बढ़ावा देना तथा कर व्यवस्था में अधिक निश्चितता प्रदान करना है।यदि विदेशी निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों से प्राप्त ब्याज और पूंजीगत लाभ पर कर संबंधी राहत मिलती है तथा इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के विनिर्माण के लिए मशीनरी और पूंजीगत वस्तुएं उपलब्ध कराने वाली विदेशी कंपनियों को दीर्घकालीन कर प्रोत्साहन मिलता है, तो भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने में सहायता मिल सकती है।आज विश्व की बड़ी कंपनियां चीन के अतिरिक्त वैकल्पिक उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। भारत के पास विशाल घरेलू बाजार, कुशल मानव संसाधन, बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और तेजी से विकसित होता आधारभूत ढांचा है। यदि कर स्थिरता, सरल नियम और निवेश– अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाता है तो इलेक्ट्रॉनिक्स आंकड़ा केंद्र, अर्धचालक, रक्षा उत्पादन और उच्च तकनीकी विनिर्माण में भारत बड़ी छलांग लगा सकता है। साथियों, निवेशकों के लिए चुनौती और अवसर इन चारों घटनाक्रमों का संयुक्त प्रभाव भारतीय शेयर बाजार में उतार–चढ़ाव बढ़ा सकता है। अमेरिकी व्यापार नीति और कच्चे तेल की कीमतें अल्पकाल में चिंता पैदा कर सकती हैं, जबकि कर सुधार और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के प्रोत्साहन दीर्घकाल में निवेश के नए अवसर पैदा कर सकते हैं।भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण रणनीति अब विविधीकरण की होनी चाहिए ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण निर्यात बाजारों का विविधीकरण विदेशी निवेश के स्रोतों का विविधीकरण और विनिर्माण क्षेत्र का विविधीकरण। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि़ चुनौती बड़ी है, लेकिन अवसर उससे भी बड़ा, 8 अगस्त 2026 शाम 6 बजे तक का वैश्विक परिदृश्य भारत को एक स्पष्ट संदेश देता है कि आने वाला आर्थिक दौर केवल विकास दर बढ़ाने का नहीं, बल्कि रणनीतिक आत्मनिर्भरता और वैश्विक विविधीकरण का होगा।अमेरिकी शुल्क का संभावित खतरा भारत के निर्यात के लिए चुनौती है, पश्चिम एशिया का नया रक्षा समीकरण कूटनीतिक सतर्कता की मांग करता है, विदेशी अंशदान कानून पारदर्शिता और नागरिक स्वतंत्रता के संतुलन की परीक्षा लेता है तथा कर सुधार भारत को वैश्विक विनिर्माण और निवेश का बड़ा केंद्र बनाने का अवसर देता है।यदि भारत इन चारों चुनौतियों को समन्वित रणनीति के साथ संभालता है तो वर्तमान वैश्विक अस्थिरता भारत के लिए संकट नहीं,बल्कि नई आर्थिक शक्ति बनने का अवसर सिद्ध हो सकती है। आने वाले समय में भारत की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच कितनी तेजी से अपने ऊर्जा स्रोत, व्यापारिक बाजार, निवेश साझेदार और विनिर्माण क्षमता का विस्तार करता है। यही 2026 के बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत की सबसे बड़ी रणनीतिक परीक्षा और सबसे बड़ा अवसर है।

कार डीलरों की मनमानी, कानून हैं, पर राहत कहां?

रजनीश कपूर

शोरूम में कदम रखते ही डीलर की तरफ से अनावश्यक एक्सैसरीज पैकेज, एक्सटैंडेड वारंटी और खासकर बीमा खरीदने का दबाव शुरू हो जाता है। कई बार तो यह दबाव इतना बढ़ जाता है कि ग्राहक या तो अनचाही चीजें खरीदने को मजबूर हो जाता है या फिर डीलर डिलीवरी में देरी या बुकिंग रद्द करने की धमकी देता है। यह प्रथा न केवल उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि बाजार की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़ा करती है। सवाल है कि कार डीलर अनावश्यक सामान क्यों थोपते हैं? मुख्य कारण लाभ का मार्जिन है। नई कार बेचने पर डीलर का मुनाफा आमतौर पर 4 से 7 प्रतिशत के आसपास रहता है, जबकि मोटर इंश्योरैंस बेचने पर कमीशन 19 से 22 प्रतिशत तक या उससे भी अधिक हो सकता है। एक्सैसरीज, जैसे सीट कवर, मैट, परफ्यूम, क्रोम गाघ्नश या म्यूजिक सिस्टम पर भी अच्छा मार्जिन मिलता है। इसलिए डीलर कार की बिक्री को इन अतिरिक्त उत्पादों से जोड़ देते हैं। कई मामलों में वे बुकिंग या डिलीवरी को इन खरीदारी से सशर्त बना देते हैं। यह व्यवहार बाजार की प्रतिस्पर्धा को कम करता है और उपभोक्ता की पसंद की स्वतंत्रता छीन लेता है। बीमा के मामले में स्थिति और गंभीर है। मोटर वाहन अधिनियम के तहत हर वाहन का थर्ड–पार्टी बीमा अनिवार्य है लेकिन यह बीमा किसी भी अधिकृत बीमा कंपनी से लिया जा सकता है। डीलर से लेना अनिवार्य नहीं है। फिर भी डीलर अक्सर यह कहते हैं कि उनके पास से बीमा नहीं लिया तो डिलीवरी नहीं होगी या कैशलैस क्लेम सुविधा नहीं मिलेगी। यह दावा सरासर गलत है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने 2017 में मोटर इंश्योरैंस सघ्वस प्रोवाइडर (एम.आई.एस.पी.) दिशा–निर्देश जारी किए थे, जिनके कोड ऑफ कंडक्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एम.आई.एस.पी. ग्राहक को विभिन्न बीमा कंपनियों के विकल्प पेश करे। वह किसी विशेष बीमाकर्त्ता या मध्यस्थ से बीमा खरीदने के लिए मजबूर नहीं कर सकता, न ही ग्राहक के अधिकारों को सीमित कर सकता है। आई.आर.डी.ए.आई. ने कई मौकों पर इस तरह की प्रथाओं के खिलाफ कार्रवाई भी की है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 भी ग्राहकों को इस मामले में मजबूत ढाल प्रदान करता है। अधिनियम की धारा 2(47) में अनुचित व्यापार व्यवहार को परिभाषित किया गया है, जिसमें भ्रामक तरीके, जबरदस्ती बिक्री और विकल्पों को सीमित करना शामिल है। ऐसे में सेवा में कमी के तहत भी शिकायत दर्ज की जा सकती है। जिला, राज्य और राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ऐसे मामलों में राहत दे सकते हैं। कई उपभोक्ता मंचों ने डीलरों की मनमानी को अनुचित व्यापार व्यवहार मानते हुए मुआवजा और रिफंड के आदेश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि उपभोक्ता आयोग नियमित रूप से ऐसे मामलों को सुनते हैं और राहत देते हैं। आर.टी.ओ. विभागों ने भी समय–समय पर डीलरों को चेतावनी जारी की है कि वे बीमा चुनने का अधिकार ग्राहक को ही दें। लेकिन ऐसा क्या कारण है कि इन सभी कानूनों के बावजूद ग्राहक डीलर के दबाव में आ जाते हैं? देखा जाए तो इसके कई कारण हैं। पहला, जागरूकता की कमी। ज्यादातर खरीदार यह नहीं जानते कि बीमा और एक्सैसरीज उनकी स्वतंत्र पसंद है। दूसरा, समय का दबाव। नई कार का इंतजार करने वाले परिवार या व्यावसायिक जरूरत वाले व्यक्ति डिलीवरी में देरी नहीं चाहते। तीसरा, डीलर की रणनीति। वे कभी–कभी 'स्पैशल ऑफर' या 'फ्री सघ्वस पैकेज' का लालच देते हैं, जो केवल उनके जरिए बीमा लेने पर ही उपलब्ध होता है। चौथा, शिकायत प्रक्रिया की जटिलता। उपभोक्ता आयोग में मामला दर्ज करने में समय और प्रयास लगता है, जबकि कार तुरंत चाहिए होती है। परिणामस्वरूप, कई ग्राहक चुपचाप ऐसे अनावश्यक और अतिरिक्त खर्च स्वीकार कर लेते हैं। देखा जाए तो स्थिति दोनों तरफ की एक जैसी ही है। डीलर के पक्ष से देखा जाए तो वे व्यवसाय करते हैं और अतिरिक्त राजस्व के स्रोत तलाशते हैं। कार बिक्री का माघ्जन कम होने और प्रतिस्पर्धा बढने से वे बीमा और एक्सैसरीज पर निर्भर हो गए हैं। एम.आई.एस.पी. व्यवस्था ने उन्हें वैध रूप से बीमा बेचने का अधिकार दिया लेकिन कइयों ने इसका दुरुपयोग किया। उपभोक्ता के पक्ष से यह स्पष्ट शोषण है। ग्राहक की पसंद की आजादी छीनना, गलत सूचना देना और दबाव बनाना न तो नैतिक है और न ही कानूनी। ऐसे में समाधान के लिए कई कदम जरूरी हैं। आई.आर.डी.ए.आई. को एम.आई.एस.पी. को पूर्ण नियामक दायरे में लाना चाहिए और उल्लंघन पर सीधे जुर्माना लगाने का प्रावधान करना चाहिए। निर्माता कंपनियों को अपने डीलर नैटवर्क पर सख्त निगरानी रखनी चाहिए और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। उपभोक्ताओं को जागरूक होना चाहिए, बीमा ऑनलाइन या स्वतंत्र एजेंट से तुलना करके ही खरीदें, जब एक्सैसरीज बाजार से सस्ते दामों पर उपलब्ध हैं तो डीलर के दबाव में क्यों आएं? ऐसे में ग्राहकों को चाहिए कि दबाव पडने पर कार निर्माता की कस्टमर केयर तथा उपभोक्ता हैल्पलाइन (1915) पर शिकायत दर्ज करें।

जागो कि वतन खतरे में है!

मा. मोहन लाल

सत्ता पक्ष को विपक्ष की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाना होगा। विपक्ष को सत्ताधारी पार्टी की रीति–नीतियों की आलोचना करने का अधिकार है। सत्ता पक्ष ने यह क्यों सोच लिया कि विपक्ष का हर नेता 'देशद्रोही' है और कि वह विदेशी फंडों के दम पर अराजकता फैला रहा है। इस देश का सत्तापक्ष भी 'देशभक्त' और विपक्ष भी शुद्ध 'देशभक्त'। इक्का–दुक्का नेता इसका अपवाद हो सकते हैं। जहां तक देश की एकता और अखंडता का प्रश्न है, हम सब भारतवासी एक हैं। यह सत्तापक्ष की जिम्मेदारी है कि वह विपक्षी नेताओं को 'वार्तालाप की टेबल' पर लाएं। विपक्ष यह क्यों सोचे कि सत्ता पक्ष उनकी आवाज को सुनता ही नहीं। विपक्ष सरकार का पूरक है। भारत के लोकतंत्र और संविधान का शृंगार है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए दोनों मित्रता का भाव रखें। सरकार और विपक्षी दलों की जिम्मेदारी है कि दोनों मिल कर देश को अराजकता के वातावरण से बाहर निकालें। 140 करोड़ लोग इस देश के मालिक हैं। सरकार लोगों की वोटों से बनती है। इस देश के मालिकों को वोटों के बाद कोई पूछता ही नहीं? क्या कोई साधारण व्यक्ति इस देश के प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों से मिल सकता है? अपने 'ग्रीवैंसिस' अपने चुने हुए प्रतिनिधियों तक पहुंचा सकता है? देश के 98 प्रतिशत लोग तो कभी नहीं। हां, 2 प्रतिशत पहुंच वाले, रौबदार व्यक्ति जरूर मंत्रियों या सचिवों तक पहुंच सकते होंगे। साधारण व्यक्ति ने अपने जन प्रतिनिधियों से मिलने–मिलाने की बात ही भुला दी है। बस इतनी सी बात वह कह सकते हैं जनता किससे फरियाद करे? अंग्रेजों का राज था तो महात्मा गांधी जब कभी 'अनशन' या 'आमरण अनशन' में आजादी के आंदोलन के समय बैठते थे तो अंग्रेज सरकार उनसे खुल कर अनशन तोडने, उनकी शिकायत दूर करने की अनुनय–विनय करती। पं. जवाहर लाल नेहरू के सत्याग्रह और अनशन पर अंग्रेजी हुकूमत उनसे वार्तालाप बनाए रखती। आज सत्ता पक्ष और विपक्ष टकराव की मुद्रा में लड़ते–झगड़ते दिखाई देते हैं। मिलकर मतभेदों को सुलझाने वाला कोई नेता न आज सत्तापक्ष में और न विपक्ष के पास है। पर आज की अराजकता से देश का युवा कुछ अधिक दुखी है। आज की युवा पीढ़ी बड़ी बुद्धिमान है। भ्रष्टाचार ने उसको सोचने पर विवश कर दिया है। आज का युवा हैरान है कि 'नीट' के प्रश्नपत्र लीक क्यों हो रहे हैं। पेपर लीक कोई एक–दो बार नहीं, 121 बार हुए हैं। पेपर लीक हर रोज, हर स्टेट में हो रहे हैं। परीक्षा में 33 प्रतिशत अंक लेने वाला तो सरकारी डाक्टर बन गया और जिसने 93 प्रतिशत अंक लिए वह बेकार घूम रहा है।

वन्यजीव व भारतीय वन अधिनियम के प्रति आमजन को किया गया जागरूक

हमीरपुर। नगर के सिटी फॉरेस्ट में वन्यजीव संरक्षण और भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्रावधानों के प्रति आम जनमानस एवं स्कूली बच्चों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। यहमीरपुर में वन्यजीव व भारतीय वन अधिनियम के प्रति आमजन को किया गया जागरूक हमीरपुर के मंजूपुर नगर वन (सिटी फॉरेस्ट) में वन्यजीव संरक्षण और भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्रावधानों के प्रति आम जनमानस एवं स्कूली बच्चों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (हमीरपुर) मनोज कुमार राय के दिशानिर्देशन तथा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती वंदना अग्रवाल के मार्गदर्शन में

आयोजित हुआ। इस दौरान वन विभाग और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने संयुक्त रूप से नागरिकों और बच्चों को वनों तथा वन्यजीवों के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम में क्षेत्रीय वनाधिकारी राजेश कुमार और पराविधिक स्वयंसेवक (पीएलवी) पवन तिवारी ने उपस्थित लोगों को वन्यजीवों की सुरक्षा और भारतीय वन अधिनियम 1927 की प्रमुख धाराओं के बारे में विस्तार से बताया। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि वनों और वन्यजीवों का संरक्षण केवल कानून का पालन नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन के लिए हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। इस अवसर पर वन दरोगा अमित कुमार, वन रक्षक संजय सिंह, वन रक्षक पुष्पेंद्र कुमार तथा मंजूपुर नगर वन का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को प्राकृतिक संपदा की रक्षा करने की शपथ दिलाई गई। उक्त कार्यक्रम जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मनोज कुमार राय के दिशानिर्देशन तथा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती वंदना अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस दौरान वन विभाग और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने संयुक्त रूप से नागरिकों और बच्चों को वनों तथा वन्यजीवों के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम में क्षेत्रीय वनाधिकारी राजेश कुमार और पराविधिक स्वयंसेवक पवन तिवारी ने उपस्थित लोगों को वन्यजीवों की सुरक्षा और भारतीय वन अधिनियम 1927 की प्रमुख धाराओं के बारे में विस्तार से बताया। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि वनों और वन्यजीवों का संरक्षण केवल कानून का पालन नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन के लिए हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। इस अवसर पर वन दरोगा अमित कुमार, वन रक्षक संजय सिंह, वन रक्षक पुष्पेंद्र कुमार तथा मंजूपुर नगर वन का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को प्राकृतिक संपदा की रक्षा करने की शपथ दिलाई गई।

दिव्यांग, विधवा और बुजुर्गों की समस्याओं के समाधान की मांग

वेद प्रकाश नायक ब्यूरो प्रमुख कुलपहाड (महोबा)। दिव्यांग कल्याण समिति जिला महोबा ने दिव्यांग, विधवा एवं बुजुर्गों की समस्याओं के त्वरित एवं समयबद्ध समाधान की मांग को

लेकर उपजिलाधिकारी कुलपहाड़ को सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन पनवाड़ी ब्लॉक अध्यक्ष राजबहादुर के नेतृत्व में सौंपा गया। ज्ञापन में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम–2016 के प्रावधानों के अनुरूप पात्र लोगों को सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग की गई। समिति ने वृद्धजन, विधवा एवं दिव्यांगजनों की लंबित पेंशन का सत्यापन कर शीघ्र भुगतान कराने की मांग की। साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत में 15 दिन में विशेष आधार शिविर लगाकर आधार सत्यापन एवं संशोधन की सुविधा उपलब्ध कराने, दिव्यांग एवं विधवा लाभार्थियों को रोजगार व स्वरोजगार योजनाओं के तहत नियमानुसार ऋण दिलाने और ऋण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग की गई। समिति ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष दिव्यांग, विधवा एवं वृद्धजन पंचायत दिवस आयोजित कर समस्याओं का निस्तारण कराने, पात्र विधवा एवं दिव्यांगजनों का आवास के लिए पुनरू सर्वे कराकर सरकारी आवास योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग रखी। इसके अलावा दिव्यांग एवं वृद्ध किसानों की खतौनी संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए तहसील स्तर पर विशेष सहायता काउंटर खोलने तथा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम–2016 के प्रति जागरूकता के लिए विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराने की मांग की गई। ज्ञापन में मांगों पर प्राथमिकता से कार्रवाई करते हुए अधिकतम एक माह में निस्तारण सुनिश्चित करने तथा की गई कार्रवाई से समिति को लिखित रूप से अवगत कराने का अनुरोध किया गया।

20 साल पुराने मामले में भगोड़ा वारंटी गिरफ्तार, मझगवां पुलिस ने भेजा जेल

हमीरपुर। मझगवां पुलिस ने पुराने और लंबित मामलों के आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। थाना मझगवां पुलिस ने वर्ष 2005 से चले आ रहे एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया है। घमिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार को थाना मझगवां पुलिस टीम ने न्यायालय द्वारा जारी गैर–जमानती वारंट के अनुपालन में कार्रवाई की। पुलिस ने केस संख्या 723/05 (अपराध संख्या 96/2005) में वांछित अभियुक्त चंद्रपाल को उसके ही गांव से धर दबोचा। आरोपी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 323, 325, 504 और 506 (मारपीट, गंभीर चोट पहुंचाना, गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी के तहत मामला दर्ज था। गिरफ्तार अभियुक्त की चंद्रपाल पुत्र लच्छू लोधी उम्र लगभग 48 वर्ष निवासी ग्राम टोलारावत, थाना मझगवां, जनपद हमीरपुर है.

इस कार्यवाही मे घ्उपनिरीक्षक कृष्णमोहन लाल और कांस्टेबल कमल सिंह की पुलिस टीम ने सटीक सूचना के आधार पर ग्राम टोलारावत में दबिश देकर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सभी आवश्यक विधिक प्रक्रियाएं पूरी कीं और आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। पुलिस की इस तत्परता से लंबे समय से पेंडिंग पड़े मामले के निस्तारण में तेजी आएगी।

गर्भपात के बाद महिला की मौत

झोलाछाप के खिलाफ मुकदमा विमला हॉस्पिटल सीज

भारत भूषण मिश्रा पत्रकार सुल्तानपुर

सुलतानपुर। कादीपुर थाना क्षेत्र के मुस्तफाबाद सरैया बाजार निवासी 27 वर्षीय गर्भवती महिला की गर्भपात के बाद उपचार के दौरान लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर में मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने कथित रूप से गर्भपात कराने वाली महिला समेत दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में संबंधित विमला हॉस्पिटल को सीज कर दिया। बता दे कि गुड़िया निषाद पत्नी बृजेश निषाद करीब तीन माह की गर्भवती थी। परिजनों का आरोप है कि कुछ दिन पूर्व उसका गर्भपात शांति उर्फ बुआ नामक महिला के माध्यम से संत तुलसीदास पीजी कॉलेज के सामने स्थित विमला हॉस्पिटल में कराया गया था। इसके बाद आठ अगस्त को उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। गंभीर हालत में परिजन उसे उपचार के लिए लखनऊ स्थित ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां सोमवार सुबह करीब नौ बजे उसकी मौत हो गई।मौत की सूचना के बाद परिजन शव लेकर सरैया बाजार पहुंचे, जहां उसे रखकर विरोध जताया गया। सूचना पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझा–बुझाकर शव को वहां से हटवाया।मृतका के पति की तहरीर पर कादीपुर थाने में मुकदमा संख्या 285/26 के तहत धारा 105, 319(2) बीएनएस और धारा 15(2) भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम में शांति उर्फ बुआ और भीम चरन के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सीएमओ भारत भूषण द्वारा गठित चिकित्सकों की टीम ने विमला हॉस्पिटल को सीज कर दिया। सीओ विनय गौतम ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमें लगाई गई हैं। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की विवेचना जारी है।

खाद न मिलने पर किसानों ने किया प्रदर्शन, खाद वितरण में अनियमितता का आरोप

अधिक किसान देख भागा सचिव, 12 दिन से बंद है समिति

सोनभद्र। सदर विधान सभा के वैनी साधन सहकारी समिति पर खाद नहीं मिलने से नाराज़ किसानों ने समिति पर ही विरोध करते हुए किया प्रदर्शन वैनी समिति लग भग 12 दिनों से बंद थी किसानों सचिव के द्वारा खुब आश्वासन दिया गया आज नहीं कल करते करते 15 दिन के बाद आज मंगलवार को लोगों को उम्मीद थी की खाद मिल जाए गा इसी आसय के साथ सुबह से लोग बैठे रहे 11 बजे सचिव साहब का आगमन हुआ तो देखे की वहां पर काफी मात्रा में किसान बैठे हैं किसानों ने कहां की हम सभी को एक एक बोरी खाद दे दिजिए उसके बाद भी उनकी नहीं सुने वहां से भाग निकले लाख दावा कोई भी कर ले कि खाद पर्याप्त है जब छोटे किसानों को एक बोरी भी नहीं मिला तो समझ लें किसान करिमन विश्वनाथ रामचंद्र ने बताया की धान की रोपाई किए हुए 15 दिन होगया है अगर उसमें समय रहते खाद नहीं पड़ा तो पौधे के विकास के साथ साथ पैदा वार भी कम हो जाएगा कुछ किसानों ने बताया कि उदय नाथ के बदले जो सचिव आए हुए थे उनके द्वारा अपने लोगों को पर्याप्त मात्रा में खाद दे दिया गया छोटे किसानों

को केवल आस्वासन मिल रहा की सबको खाद मिल जाएगा कर समिति पर मौजूद कोई पाठक जी है जो कल तक कह रहे थे सबको खाद मिल जाएगा लेकिन जब खाद लेने के लिए आज किसान पहुचे तो सचिव उदय नाथ यह कहते हुए भाग निकले की खाद कम है और किसान ज्यादा ऐसी स्थिति में हम नहीं बांट पाएंगे प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी सोनभद्र से यह मांग किया है कि इस समिति की तत्काल जांच करा कर किसानों को एक दो बोरी ही सही सबको खाद दिलाने की आदेश जारी प्रदर्शन करने वाले बहादुर मुलायमसिंह गनेश श्री राम शर्मा नन्दु विमलेश गुलाब प्रसाद शिवकुमारी दीना नाथ राम मनोहर तेतरी देवी मोलन जालीम रमाकांत राजनाथ गुप्ता राजेन्द्र यादव आदि लोग मौजूद थे।

नशीले पदार्थो की बिक्री करने वाला 01 अभियुक्तगिरफ्तार, 27.10 ग्राम अवैध हेरोइन, कोडिश्रीन सीरप व एविल इंजेक्शन सहित अन्य अवैध सामग्री (अनुमानित कीमत 3,27,899.50/-) बरामद

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक, जनपद सोनभद्र 'अभिषेक वर्मा' द्वारा जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर 'अनिल कुमार' के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी ओबरा 'प्रभात राय' के कुशल पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक ओबरा के नेतृत्व में थाना ओबरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। दिनांक 09.08.2026 को थाना ओबरा पुलिस द्वारा रविदास नगर, वार्ड नं0–01, बिल्ली में दबिश देकर रितेश जायसवाल पुत्र सुरेश जायसवाल, निवासी रविदास नगर वार्ड नं0–01, बिल्ली, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 23 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे/घर से 27.10 ग्राम अवैध हेरोइन 2.75 लाख, कोडिश्रीन सीरप (100 एमएल) की 207 सीसी, जिसकी कुल कीमत ₹38,502/–, तथा एविल

इंजेक्शन 650 सीसी, जिसकी कुल कीमत ₹14,397.50/–, बरामद किए गए। बरामद मादक पदार्थ एवं अन्य सामग्री की कुल कीमत ₹3,27,899.50/– बताई गई है। उक्त बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना ओबरा पर मु0अ0सं0–175/2026, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर अग्रेतर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

1. उ0नि0 सुनील कुमार, चौकी प्रभारी कस्बा ओबरा, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र।
2. हे0का0 संतोष पटेल, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र।
3. का0 प्रदीप कुमार, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र।
4. का0 राहुल श्रीवास, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र

कचरे से काशीरामपुर बेहाल, ग्रामीणों में आक्रोश

सरकारी विद्यालय तक पहुंचना मुश्किल, बच्चों की पढ़ाई पर भी संकट–सालों से समस्या जस की तस

संवाददाता पवन शर्मा कदौरा, जालौन

कदौरा। क्षेत्र के ग्राम काशीरामपुर में गंदगी, कचरे के अंबार और जलभराव ने ग्रामीणों का जीवन अस्त–व्यस्त कर दिया है। गांव

की बदहाल स्थिति को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि वर्षों से जिम्मेदार अधिकारियों की नजर इस गांव की ओर नहीं पड़ी है। रास्तों पर गंदा पानी और जगह–जगह जमा कचरे के कारण ग्रामीणों का आवागमन मुश्किल हो गया है। सबसे गंभीर स्थिति गांव में स्थित सरकारी विद्यालय के सामने बनी हुई है। विद्यालय के आसपास जलभराव और गंदगी के चलते बच्चों को स्कूल पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में समस्या और भी विकराल हो जाती है तथा बच्चों और राहगीरों को गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की इस समस्या को लेकर कई बार ग्राम प्रधान और सचिव सहित संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। हर वर्ष ग्रामीण मीडिया के माध्यम से अपनी समस्या प्रशासन तक पहुंचाते हैं और खबर प्रकाशित होने के बाद कुछ समय के लिए कार्रवाई की उम्मीद जगती है, लेकिन हालात फिर जस के तस हो जाते हैं। ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि आखिर कब गांव की सफाई, जलनिकासी और रास्तों की व्यवस्था दुरुस्त होगी। ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से काशीरामपुर गांव का स्थलीय निरीक्षण कराकर जलभराव की समस्या दूर कराने, कचरे की सफाई कराने और विद्यालय के रास्ते को सुगम बनाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उन्हें मजबूर होकर उच्च अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायत लेकर जाना पड़ेगा।

सडक का कार्य अधूरा धराशाई हो रहा है सडक आम पब्लिक जर्जर सडक पर चलने को मजबूर

भारत भूषण मिश्रा पत्रकार सुल्तानपुर

दोस्तपुर सुल्तानपुर। सरकार की अति महत्वाकांक्षी गढढा मुक्त सडक श योजना का उद्देश्य और ग्रामीणों को एक अच्छी सडक बनाकर प्रदान करना था, लेकिन लोकनाथपुर चौराहा से ग्राम सभा मसुरन गाँव में जोडने वाली पक्की सडक भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। वर्षों पूर्व निर्मित इस सडक की हालत आज इतनी जर्जर हो चुकी है कि यह अपनी बदहाली की खुद ही गवाही दे रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदारों ने बंदरबांट के चक्कर में सडक को अधूरा छोड़ दिया, जिससे आज यहाँ का दृश्य किसी जर्जर जैसा नहीं बल्कि किसी खंडहर जैसा प्रतीत होता है। लोकनाथपुर चौराहा से ग्राम सभा मसुरन तक पहुंचने के लिए बनाई जाने वाली पक्की सडक नदारत है।

और जर्जर सडक की हालत बहुत ही खराब स्थिति मे गुजर रहा है !

1.दोस्तपुर चौराहा से कादीपुर मार्ग जर्जर स्थिति मे
2.अखण्डनगर चौराहा से कादीपुर मार्ग पर जर्जर स्थिति मे
3.बढौली चौराहा से नेमपुर मार्ग पर जर्जर स्थिति मे
4. दोस्तपुर चौक से सूरापुर करौदीकला तक सडक रिपेयरिंग स्थिति मे

तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, वदे मातरम के नारों से गूंजा कदौरा

विधायक विनोद चतुर्वेदी व पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन ने किया शुभारंभ, पुलिस बल रहा मुस्तैद

संवाददाता पवन शर्मा कदौरा, जालौन

कदौरा। नगर में मंगलवार को आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में देशभक्ति का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में नगरवासी, युवा और जनप्रतिनिधि यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान पूरा नगर 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कदौरा नगर में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ विधायक विनोद चतुर्वेदी एवं पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इसके बाद तिरंगा यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से निकाली गई। यात्रा में युवाओं के साथ बड़ी संख्या में नगरवासी एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। सभी ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर पूरे उत्साह के साथ देशभक्ति के नारों का उद्घोष किया। यात्रा के दौरान नगर का माहौल पूरी तरह राष्ट्रभक्ति से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में चेयरमैन प्रतिनिधि रविकांत शिवहरे, मंडल अध्यक्ष हेमंत साहू, अमित शिवहरे, बबलू शुक्ला, राहुल सिंह परिहार (युवा मोर्चा), आदित्य तिवारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष रेनू वर्मा, रजनी पाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। वहीं, तिरंगा यात्रा को लेकर कदौरा थाना प्रभारी परविंदर सिंह पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। पुलिस टीम ने यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था संभाली और नगर में शांति एवं

व्यवस्था बनाए रखी। सुरक्षा व्यवस्था के बीच तिरंगा यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर आईजीआरएस प्रकरण का किया निस्तारण

इरफान अली जिला ब्यूरो देवरिया

देवरिया। जिलाधिकारी श्री मधुसूदन हुल्गी ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के प्रभावी एवं त्वरित निस्तारण के लिए आज देवगांव पहुंचकर प्रकरण की स्थलीय जांच की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। आईजीआरएस के माध्यम से देवगांव निवासी अंकित उपाध्याय द्वारा रास्ता न होने तथा भूमि का रकबा कम होने संबंधी शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के समाधान के लिए जिलाधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचे और शिकायतकर्ता सहित संबंधित पक्षों की समस्याओं को सुना। उन्होंने मौके पर प्रकरण की स्थिति का जायजा लेते हुए राजस्व अभिलेखों एवं भूमि की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। स्थलीय निरीक्षण के दौरान शिकायतकर्ता ने बताया की मेरा भूमि का रकबा मौके पर कम है । इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित लेखपाल को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए भूमि के रकबे को पूर्ण किए जाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जल निगम, समाज कल्याण एवं संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने दिए कड़े निर्देश

इरफान अली जिला ब्यूरो देवरिया

देवरिया। जिलाधिकारी श्री मधुसूदन हुल्गी ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जल निगम, समाज कल्याण एवं संबंधित विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जल निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं के लिए भूमि की आवश्यकता है, उनके लिए प्रभावी पहल करते हुए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर भूमि उपलब्ध हो चुकी है, वहां संबंधित भूमि की खतौनी जल निगम के नाम दर्ज कराने की कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराई जाए।

भोले ने दिया साहस...सिलिंडर ने दी सांस, स्कूटी पर ऑक्सीजन संग कांवड़ यात्रा पर 80 साल के बीमार परशुराम

संवाददाता

मुजफ्फरनगर। भक्ति में अनूठी शक्ति होती है। अस्सी साल की उम्र में ऑक्सीजन के सहारे दिन गुजार रहे शिवभक्त परशुराम शर्मा जज्बे के साथ कांवड़ यात्रा पर निकले। स्कूटी पर सवार होकर करीब 93 किमी की यात्रा करते हुए शिव चौक पर भगवान आशुतोष का जलाभिषेक किया। मुजफ्फरनगर के नरा गांव के रहने वाले बुजुर्ग परशुराम इन दिनों उत्तराखंड के ज्वालापुर में रहते हैं। अब तक वह 13 बार कांवड़ यात्रा कर चुके हैं। इस बार बीमार हालत में वह सांस लेने के लिए भी ऑक्सीजन सिलिंडर पर निर्भर है। डॉक्टरों ने उन्हें बाहर जाने से इनकार कर दिया था। इसके बावजूद ऑक्सीजन के दो सिलिंडर अपनी स्कूटी पर लेकर वह कांवड़ यात्रा पर निकल पड़े। शहर के रुड़की रोड स्थित सेवा शिविर में पहुंचे तो सबके आकर्षण का केंद्र बन गए। वह कहते हैं कि भोले की भक्ति में अनूठी शक्ति है। मुझे भगवान आशुतोष का सहारा है। जीवन में जब भी मुसीबत आई भगवान शिव मेरे साथ रहे। डॉक्टर कहते थे घर से कहीं दूर मत जाना लेकिन मुझे यात्रा करनी थी, इसलिए निकल पड़ा।

ऊंचाई पर पुरा महादेव...शिव चौक पर जलाभिषेक भक्त परशुराम ने बताया कि उसकी इच्छा ज्वालापुर से बागपत के पुरा महादेव तक यात्रा करने की थी, वह घर से निकला भी आया था। स्वास्थ्य ठीक नहीं है। पुरा महादेव मंदिर ऊंचाई पर है और वहां पर ऑक्सीजन के सिलिंडर ले जाना अकेले के लिए आसान नहीं होगा। यही वजह है कि शिव चौक पर जलाभिषेक के साथ ही अपनी यात्रा पूरी कर ली है। शिव के दरबार में आने की चाह पूरी हो गई।

समिति की ओर से किया गया अभिनंदन

क्रांति सेना के संस्थापक अध्यक्ष ललित मोहन शर्मा कहते हैं कि इस उम्र में यात्रा पर निकलना आसान काम नही है। परशुराम का जज्बा जोश से भर देने वाला है। यह भगवान आशुतोष में आस्था का अनूठा उदाहरण है। समिति की ओर से उनका अभिनंदन किया गया है।

पुरा महादेव में उमड़ा आस्था का सैलाब पुरा के परशुरामेश्वर महादेव मंदिर में सावन के दूसरे सोमवार को कांवड़ियों का सैलाब उमड़ पड़ा। वहां सुबह तीन बजे से ही भगवान आशुतोष का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ियों व श्रद्धालुओं की तीन किमी लंबी लाइन लगी रही। मंदिर में सोमवार की रात 12 बजे तक 10 लाख से ज्यादा कांवड़ियों व श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। पुरा महादेव मंदिर में चल रहे चार दिवसीय श्रावणी मेले में दूसरे दिन व सावन के दूसरे सोमवार को कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर में त्रयोदशी व सोमवार का जलाभिषेक करने के लिए सुबह तीन बजे से लाइन लगनी शुरू हो गई थी। कांवड़ियों व श्रद्धालुओं की लाइन परशुराम खेड़ा तक पहुंच गई और वहां लाइन में लगने के करीब पांच घंटे बाद शिवभक्ताओं का जलाभिषेक के लिए नंबर आया। वहां हरिद्वार से गंगाजल लेकर आए लाखों कांवड़ियों ने जलाभिषेक किया।

आठ लाख शिवभक्तों ने किया जलाभिषेक वहां भीड़ को देखते हुए व्यवस्था बनाने के लिए मंदिर में अर्धसैनिक बल के साथ ही पीएसी के जवान तैनात किए गए, जबकि पुलिस को बाहर की तरफ लगाया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी जयभगवान शर्मा ने बताया कि सोमवार रात 12 बजे तक मंदिर में 10 लाख कांवड़ियों व श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया है और मंगलवार को शिवरात्रि के दिन तक यह संख्या 15 लाख तक पहुंच जाएगी, क्योंकि मंदिर में कांवड़िये रुकने शुरू हो गए हैं। चतुर्दशी का जलाभिषेक करने के लिए रात एक बजे से ही लाइन भी लगनी शुरू हो गई थी। वहीं डीएम अस्मिता लाल व एसपी सूरज कुमार राय ने मंदिर में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और अधिकारियों व पुलिस कर्मियों को कांवड़ियों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने देने के निर्देश दिए। इनके बाद एडीजी भानु भास्कर भी निरीक्षण करने पहुंचे। वह काफी देर तक वहां रहे और कांवड़ियों के साथ ही सुरक्षा कर्मियों से बातचीत की। उन्होंने अफसरों व पुलिस कर्मियों को कांवड़ियों के साथ अच्छा व्यवहार करने के निर्देश दिए।

मेले में कांवड़ियों व श्रद्धालुओं ने की खरीदारी अमीनगर सराय। पुरा महादेव मंदिर परिसर में लगे मेले में श्रद्धालुओं व कांवड़ियों ने खरीदारी की। वहां महिलाओं ने घरेलू सामान के अलावा मूर्ति, माला, सिंदूर आदि सामान खरीदा। वहीं उनके साथ आए बच्चों ने खिलौने लिए। वहां भीड़ को देखते हुए दुकानदारों के चेहरे भी खिले रहे।

कांवड़ियों के लिए कूलर और पीने के पानी की व्यवस्था रही बालैनी। पुरा महादेव मंदिर में इस बार गर्मी को देखते हुए लाइनों में लगे कांवड़ियों के लिए ठंडी हवा के लिए जगह–जगह कूलर लगाए गए है, ताकि उन्हें गर्मी में परेशानी न हो। साथ ही सभी कांवड़ियों को पीने का पानी वितरण किया जा रहा है। जन कल्याण सेवा भारती संस्था द्वारा सोमवार को एक लाख पानी की बोतलें वितरित की गईं।

झंडा पूजन के बाद शुरू हुआ चतुर्दशी का जलाभिषेक बागपत। मंदिर के मुख्य पुजारी जयभगवान शर्मा ने बताया कि मंगलवार सुबह तीन बजकर 40 मिनट पर झंडा पूजन शुरू हुआ और चार बजकर 40 मिनट पर झंडारोहण करने के बाद चतुर्दशी का जलाभिषेक शुरू किया गया। चतुर्दशी पर जलाभिषेक करने के लिए कांवड़िये मंदिर में रुकना शुरू हो गए थे, क्योंकि काफी कांवड़िये अपनी मन्नत के अनुसार चतुर्दशी का जलाभिषेक करते हैं।

तेल फैक्टरी पर छापा, भारी मात्रा में घी मिला फिर भी न हुई कार्रवाई; तपन एग्रो ने पुलिस पर उठाए सवाल

संवाददाता

आगरा। आगरा के जगनेर क्षेत्र में तपन एग्रो इंडस्ट्रीज के ब्रांड दीप क्लासिक के नाम पर नकली कुकिंग ऑयल बनाने और बेचने की शिकायत पर संयुक्त टीम के फैक्टरी पर छापा मारने के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई। यह आरोप तपन एग्रो के अधिकारियों ने सोमवार को संजय प्लेस में प्रेसवार्ता के दौरान लगाए। भंडाफोड़ होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से पुलिस और प्रशासनिक की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। संयुक्त टीम ने फैक्टरी पर छापा मारा था। भारी मात्रा में नकली माल भी पकड़ा लेकिन मौके पर मौजूद एक प्रभावशाली व्यक्ति के दबाव में टीम बिना कार्रवाई के लौट आई। तपन एग्रो के प्रबंधक कार्मिक सीएस पाराशर, विधि अधिकारी अनुज चौधरी, ब्रांड मैनेजर मोहित सक्सेना ने बताया कि कंपनी को लंबे समय से अपने उत्पाद की नकल होने और ट्रेडमार्क उल्लंघन की शिकायत मिल रही थी। जांच में पता चला कि जगनेर से 5 किलोमीटर पहले नौनी गांव के पास नकली उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं।

विवाहिता की दर्दनाक मौत : मरने से पहले दी धमकी, फिर तेजाब पीकर दी जान

ससुरालियों पर दहेज के लिए हत्या का आरोप

संवाददाता

आगरा। आगरा के कृष्णा बाग कॉलोनी (थाना ट्रांस यमुना) में सोमवार को जूता कारीगर आकाश की पत्नी मुस्कान (20) की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मायके पक्ष ने पति पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है। दूसरी ओर ससुरालियों ने तेजाब पीकर जान देने की बात कही। एक वीडियो भी दिखाया, जिसमें महिला जान देने की बात कर रही है। हालांकि पुलिस ने इस तरह के किसी वीडियो की जानकारी से इन्कार किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। मुस्कान के पिता धनौली, मलपुरा निवासी भूपेंद्र का कहना है कि सामूहिक विवाह समारोह में लड़का पसंद किया था। मगर वह शादी के बाद दहेज की मांग करने लगा। मांग पूरी नहीं करने पर आए दिन पिटाई करता था। गला दबाकर उनकी बेटी की हत्या कर दी। मुस्कान की शादी टेढ़ी बगिया के आकाश से 2 मार्च 2024 को हुई थी। आकाश जूते की फैक्टरी में काम करता है।

रेस्तरां में सुलग रहीं कोयले की भट्ठियां, नगर निगम की टीम ने कराई ध्वस्त, जुर्माना भी वसूला

संवाददाता

आगरा। आगरा और टीटीजेड के छह जिलों में वर्ष 1996 से ही कोयला जलाने पर रोक है। ताजमहल पर प्रदूषण रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया था। कोयला जलाने से सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और सूक्ष्म कण जैसे प्रदूषक तत्व निकलते हैं, जो लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालते हैं। आगरा के ताज ट्रेपेजियम जोन में कोयले से भट्ठी जलाकर खाना पकाना चार रेस्तरां संचालकों को भारी पड़ा। सोमवार की दोपहर नगर निगम की टीम ने फतेहाबाद रोड स्थित बीकानेरवाला, पिरामिड, जिमबोरा क्लब और सेक्टर–1 आवास विकास स्थित ग्रामीण स्वाद रेस्तरां पर एनजीटी के आदेश के तहत जुर्माना लगाया। बीकानेरवाला के संचालक से 25 हजार रुपये और ग्रामीण स्वाद के संचालक पर पांच हजार रुपये, जिमबोरा क्लब और पिरामिड रेस्तरां पर 10–10 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। ग्रामीण स्वाद रेस्तरां में भट्ठियों को नष्ट किया गया। शिकायत की जांच करने पहुंची नगर निगम की टीम को चारों जगह जलती हुई भट्ठियां मिलीं। उन्हें बंद कराने के साथ नष्ट कराया गया। आगरा और टीटीजेड के छह जिलों में वर्ष 1996 से ही कोयला जलाने पर रोक है। ताजमहल पर प्रदूषण रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया था। कोयला जलाने से सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और सूक्ष्म कण जैसे प्रदूषक तत्व निकलते हैं, जो लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालते हैं। जांच के लिए चलेगा अभियान नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने बताया कि टीटीजेड में कोयले की भट्ठियों पर रोक है। जांच के लिए अभियान चलाया जाएगा। उल्लंघन करने पर एनजीटी के आदेश के तहत जुर्माना वसूला जा रहा है। दोबारा ऐसा मिला तो सख्त कार्रवाई होगी।

पति की नीच हरकत : पत्नी के बनाए वीडियो और फोटो, इसलिए वायरल कर दी अश्लील तस्वीरें, शर्म भी न आई

संवाददाता

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद के सिरसागंज के थाना नगला खंगर क्षेत्र में एक पति ने अपनी ही पत्नी के साथ बिताए गए निजी पलों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। क्षेत्र की एक युवती की शादी मैनपुरी जनपद के थाना बरनाहल क्षेत्र के गांव नगला गोपाल निवासी युवक के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद पति ने उनके अंतरंग पलों को इंटरनेट पर सार्वजनिक कर दिया। जब विवाहिता को इस बात की भनक लगी तो उसने अपने परिवार को मामले से अवगत कराया। परिजन ने आरोपी पति और उसके परिवार से बातचीत करने का प्रयास किया। लेकिन आरोपी पक्ष ने शर्मिंदा होने के बजाय पीड़ित परिवार के साथ गाली–गलौज की और उन्हें धमकाकर भगा दिया। समाज में बदनामी के डर से पीड़ित परिवार अपना घर छोड़कर गुजरात पलायन करना पड़ा।

‘हम अतीक के आदमी हैं, कहकर टोल कर्मियों पर चढ़ाई गाड़ी, बिना शुल्क दिए गुजरे 15 वाहन, 70 आरोपियों पर केस

संवाददाता

फतेहपुर। फतेहपुर जिले में माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद के काफिले में शामिल वाहनों पर टोल कर्मियों ने अभद्रता, जान से मारने की कोशिश और बिना टोल दिए निकलने का आरोप लगाया है। एसपी के निर्देश पर सोमवार को कल्यानपुर और खागा थाने में अलग–अलग प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और वाहन नंबरों के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी है। कल्यानपुर थाना क्षेत्र स्थित बड़ौरी टोल प्लाजा के प्रबंधक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आठ अगस्त को दोपहर 2:39 बजे पुलिस अभिरक्षा में अली अहमद को जिला कारागार झांसी से प्रयागराज ले जाया जा रहा था। उसके पीछे कई वाहन चल रहे थे। टोल कलेक्टर संजय सिंह और सुपरवाइजर कौशलेश सिंह ने काफिले में शामिल वाहनों को टोल शुल्क जमा करने के बाद आगे बढ़ने के लिए कहा। 10 वाहनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज इस पर वाहन चालकों ने जान से मारने की धमकी दी और वाहन से कर्मचारियों को कुचलने की कोशिश की। इसके बाद सभी वाहन बिना टोल शुल्क दिए निकल गए। प्रबंधक की तहरीर पर आठ नंबर वाली और दो बिना नंबर की गाड़ियों समेत कुल 10 वाहनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। खुद को अतीक के आदमी बताते हुए गाली–गलौज की वहीं, खागा

थाना क्षेत्र के कटोघन टोल प्लाजा के कर्मचारी सोनू सिंह निवासी शिवपुरी (मध्य प्रदेश) ने बताया कि इसी दिन अपराह्न करीब 3:38 बजे कानपुर से प्रयागराज की ओर जा रहा काफिला लेन नंबर नौ पर पहुंचा। शिफ्ट इंचार्ज संजू कुमार यादव और बूथ इंचार्ज सनी कुमार सविता ने वाहन रोककर टोल देने को कहा तो, सवारों ने खुद को अतीक के आदमी बताते हुए गाली–गलौज की। 11 वाहनों के सवारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज आरोप है कि वाहन सवारों ने कहा कि हम अतीक के आदमी हैं और कर्मचारियों पर वाहन चढ़ाने की कोशिश की। इस मामले में 11 वाहनों के सवारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसमें एक कार बिना नंबर की बताई गई है। एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि बड़ौरी टोल से आठ वाहनों के नंबर और कटोघन टोल से भी कई वाहन ट्रेस किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में काफिले में करीब 15 वाहन शामिल होने की बात सामने आई है। आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी होगी प्रत्येक वाहन में चार से पांच लोगों के सवार होने का अनुमान है। इस आधार पर काफिले में 65 से 70 लोगों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। वाहन नंबरों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ हत्या की कोशिश, बलवा, सार्वजनिक मार्ग पर लापरवाही से वाहन चलाने, धमकी और गाली–गलौज सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की जा रही है। जिले के समर्थकों पर हो चुकी कार्रवाई जिले से अतीक अहमद का पुराना जुड़ाव रहा है। कई बसपा और सपा नेताओं से जिले में उसके पुराने कनेक्शन अतीक पर कार्रवाई के दौरान पुलिस ने खोजकर कार्रवाई की थी। खखरेरू के बसपा नेता और उसके पुत्रों के खिलाफ जेल भेजने की कार्रवाई हुई थी। साथ ही बुलडोजर भी चला था। शहर के सपा नेताओं पर भी कार्रवाई हुई। अभी भी जिले में अतीक के कई समर्थक हैं।

फर्जी डिग्री बनाने वाले रैकेट से जुड़े अधिवक्ताओं के तार, चार मामलों में 10 से अधिक गिरफ्तार, जांच तेज

संवाददाता

कानपुर। प्रयागराज के सिविल लाइंस थाने में अधिवक्ताओं पर फर्जी डिग्री मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद अब कानपुर पुलिस भी अपनी जांच की रफ्तार तेज करने जा रही है। शहर में बीते चार महीनों के भीतर फर्जी मार्कशीट और डिग्री तैयार करने वाले चार गिरोहों का भंडाफोड़ कर 10 से अधिक अभियुक्तों को जेल भेजा जा चुका है। गिरोह के पास से भारी मात्रा में बरामद फर्जी डिग्रियों में वकालत की डिग्रियां भी शामिल थीं। पुलिस को आशंका है कि लखनऊ और प्रयागराज में नामजद हुए अधिवक्ताओं के तार कानपुर से पकड़े गए इसी रैकेट से जुड़े हो सकते हैं। कानपुर के 2 वकीलों के नाम शामिल हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद प्रयागराज में 12 अधिवक्ताओं के खिलाफ फर्जी डिग्री रखने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इनमें कानपुर

के दो अधिवक्ता जय नारायण कटियार और पंकज कुमार भी शामिल हैं। जांच के अनुसार, जय नारायण के पास से स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय (सागर, मध्य प्रदेश) तथा पंकज कुमार के पास से शशोभित विश्वविद्यालय (मेरठ) की संदिग्ध डिग्री मिली है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, कानपुर में पकड़े गए गिरोह के पास से भी इन्हीं विश्वविद्यालयों की फर्जी डिग्रियां और मार्कशीट बरामद हुई थीं, जिससे वकीलों और जालसाजों के मजबूत गठजोड़ की ओर इशारा मिलता है। कल्याणपुर व फीलखाना गिरोह से था संपर्क जांच में सामने आया है कि कल्याणपुर और फीलखाना थाना क्षेत्रों से दबोचे गए फर्जी डिग्री रैकेट के सीधे संपर्क में कई स्थानीय अधिवक्ता भी थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि शहर में दर्ज फर्जी डिग्री व मार्कशीट से जुड़े सभी मामलों की जांच और अधिक गहनता व गंभीरता से की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि लखनऊ या प्रयागराज पुलिस यदि जांच के सिलसिले में कोई जानकारी या सहयोग मांगती है, तो उन्हें तुरंत उपलब्ध कराया जाएगा।

‘बेटे की चाहत में चोरी कराया बच्चा, 5 लाख में रची थी साजिश, हमीरपुर का एसडीओ गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

संवाददाता

कानपुर। कानपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) घाटमपुर से मई में बच्चा चोरी के मामले में पुलिस ने सोमवार को हमीरपुर के बिजली विभाग के एसडीओ को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस के मुताबिक दो बेटियों के आरोपी पिता ने बेटे की चाहत में एक एएनएम को पांच लाख रुपये देने का लालच देकर बच्चा चोरी करवाया। बच्चा चोरी करते समय एएनएम को अस्पताल कर्मियों ने पकड़ लिया था। विवेचना में एसडीओ का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ मानव तस्करी व अपहरण की साजिश रचने का मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस के अनुसार हमीरपुर के मौदहा कस्बे के बिजली सबस्टेशन में करीब छह माह से तैनात एसडीओ आरके वर्मा मूलरूप से सजेती थाना क्षेत्र के सूखापुर गांव का रहने वाला है। पुलिस ने एएनएम को गिरफ्तार किया बच्चा चोरी करने के लिए उसने बांदा के बबेरू निवासी और देवीपुर में तैनात एएनएम गीता को पांच लाख रुपये का लालच दिया। 10 मई की रात गीता ने घाटमपुर सीएचसी से बच्चा चोरी किया और उसे लेकर जाने लगी, तभी अस्प के कर्मचारियों ने उसे पकड़ लिया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एएनएम को गिरफ्तार किया। पांच लाख रुपये देकर बच्चा चोरी कराया न्यायालय में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया था। एएनएम से जानकारी के आधार पर बिजली विभाग के एसडीओ आरके वर्मा का नाम सामने आया था।

हरिगढ़ के खिलाफ विपक्षी पार्षदों ने खोला मोर्चा, पार्षद बोले- नाम बदलने का कभी नहीं आया प्रस्ताव

संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ का नाम बदलकर हरिगढ़ किए जाने की चर्चाओं के बीच नगर निगम के विपक्षी पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया है। सपा, बसपा और कांग्रेस के पार्षदों ने नाम परिवर्तन का विरोध करते हुए राज्यपाल के नाम मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। पार्षदों ने स्पष्ट कहा कि नाम बदलने का कोई प्रस्ताव नगर निगम सदन में न तो प्रस्तुत हुआ और न ही पारित किया गया है। इसके विरोध में वे सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेंगे। विपक्षी पार्षदों के मुताबिक वर्ष 2023 में भाजपा के एक पार्षद ने नगर निगम सदन में अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ किए जाने का मौखिक सुझाव दिया था। इस पर विपक्षी पार्षदों ने तत्काल आपत्ति जताई थी। उनका दावा है कि उस दौरान हुई सदन की कार्यवाही की वीडियोग्राफी नगर निगम के रिकॉर्ड में मौजूद है। साथ ही, संबंधित सुझाव का नगर निगम की किसी भी कार्यवाही में लिखित प्रस्ताव के रूप में उल्लेख नहीं है। नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपते सपा पार्षदपार्षदों ने नाम परिवर्तन को लेकर चल रही चर्चाओं और प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि नगर निगम में इस संबंध में कोई प्रस्ताव ही नहीं आया, तो नाम बदलने की बात किस आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया

कि नाम परिवर्तन का मुद्दा चुनावी राजनीति से प्रेरित है और इसके जरिये शहर की वास्तविक समस्याओं से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। विपक्षी पार्षदों ने कहा कि शहर में विकास, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, जलभराव, खराब सड़कें और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दे प्राथमिकता में होने चाहिए। इन समस्याओं के समाधान के बजाय नाम परिवर्तन को लेकर सरकारी मशीनरी और धन खर्च करना उचित नहीं है।उन्होंने कहा कि नाम बदलने की स्थिति में सरकारी दस्तावेजों, साइन बोर्ड, विभागीय रिकॉर्ड समेत विभिन्न व्यवस्थाओं में बदलाव करना पड़ेगा। इस पर जनता के पैसे खर्च होंगे। पार्षदों ने सवाल उठाया कि जब शहर की मूलभूत समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं, तो नाम परिवर्तन पर सरकारी धन खर्च करना कितना उचित है।ज्ञापन देने वालों में सपा पार्षद दल के नेता नईम अहमद, मुशर्रफ हुसैन महजर, असलम नूर, हफीज अब्बासी, कांग्रेस पार्षद बिजेंद्र बघेल, बसपा पार्षद मनोज कुमार, सपा पार्षद आसिफ अल्वी, नसरीन बेगम, जीनस अब्बासी, शबाना असलम, आसिया बेगम, शाहीन बेगम, गुलजार गुड्डू, उस्मान खान, आदिल खान, रिहाना बेगम, अफसाना बेगम, नूर अब्बासी और उम्मेद आलम राजा आदि मौजूद रहे।

कलह बनी काल : दो मासूमों को गोद में लेकर पहुंची खेत, फिर कुएं में लगाई छलांग, परिजनों की खमोशी से उठे सवाल

संवाददाता

महोबा। महोबा जिले में घरेलू विवाद में सोमवार शाम महिला ने दो मासूम बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दी। घटना में महिला की मौके पर मौत हो गई जबकि दोनों मासूमों को जिला अस्पताल महोबा लाया गया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजन घटना के विषय में कुछ भी बताने से कतराते रहे और बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव घर ले गए। मध्यप्रदेश के जनपद छतरपुर के प्रकाश बम्हौरी गांव निवासी सुरेश कुशवाहा अपनी पत्नी भागवती (21), डेढ़ वर्षीय बेटे पुष्पेंद्र कुशवाहा और तीन वर्षीय बेटी संध्या के साथ खेत में मकान बनाकर रहते थे। सोमवार दोपहर घर पर पति–पत्नी के बीच घरेलू विवाद हो गया। भागवती ने दोनों मासूम बच्चों के साथ छलांग लगा दी कहासुनी होने के बाद पत्नी दोनों मासूम बच्चों को गोद में लेकर घर से निकल गई। कुछ दूरी पर खेत में बने कुएं में भागवती ने दोनों मासूम बच्चों के साथ छलांग लगा दी। आसपास के खेतों में मौजूद किसानों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। परिजन बोले– बच्चे खेलते समय कुएं में गिर गए पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से तीनों को कुएं से बाहर निकाला, लेकिन तब तक भागवती की मौत हो चुकी थी। बच्चों की हालत गंभीर होने पर परिजन उन्हें जिला अस्पताल महोबा लाए। जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। परिजन ने बताया कि बच्चे खेलते समय कुएं में गिर गए। एक साथ तीन लोगों की मौत से गांव में मातम इसके अलावा कोई भी जानकारी देने से वह बचते नजर आए। एक साथ तीन लोगों की मौत से गांव में मातम है। उधर, थानाध्यक्ष प्रकाश बम्हौरी श्याम बैन का कहना है कि प्रथम दृष्टया पारिवारिक कलह की बात सामने आई है। घटना की जांच कराई जा रही है। तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ अमेरिकी कोर्ट में आपराधिक आरोप खारिज, फैसले पर क्या बोले उद्योगपति?

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अदाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने मंगलवार को अमेरिकी अदालत के आपराधिक आरोपों को खारिज करने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। अदाणी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इस चुनौतीपूर्ण दौर में सत्य, निष्पक्षता और कानून के शासन में उनका विश्वास अटूट रहा। अमेरिकी अदालत के फैसले में क्या रॉयटर्स के अनुसार, सोमवार को न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज निकोलस गारौफिस ने गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोप खारिज कर दिए। जज का यह फैसला संघीय अभियोजकों को आरोप वापस लेने का अधिकार देने के बाद आया। उन्होंने अभियोजकों से इसके कारणों के बारे में पूछताछ की थी। आरोपों को खारिज करते हुए जज ने कहा कि वह संतुष्ट हैं कि अदाणी ग्रुप की कथित निवेश प्रतिज्ञा ने न्याय विभाग के फैसले को प्रभावित नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपों को खारिज करने के संघीय अभियोजकों के निर्णयों की समीक्षा में जजों की भूमिका सीमित होती है। आरोपों का आधार और अमेरिका के DoJ का रुख गौतम अदाणी और अन्य के खिलाफ भारत में सौर ऊर्जा अनुबंधों से जुड़ी रिश्वतखोरी योजना का आरोप था। इसमें अमेरिकी निवेशकों को कथित तौर पर गुमराह करने की बात कही गई थी। इस साल मई में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस (DoJ) ने इन आरोपों को खारिज करने की मांग

की थी। इसके बाद न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूएस कोर्ट ने DoJ से जवाब मांगा था। इस जवाब ने DoJ की स्थिति को मजबूत किया, जिससे कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि जज DoJ के रुख का समर्थन करेंगे। न्याय विभाग की विस्तृत सफाई इससे पहले 4 जुलाई को DoJ ने जज को बताया था कि गौतम अदाणी और अन्य प्रतिवादियों के खिलाफ आपराधिक मामला कभी नहीं लाया जाना चाहिए था। DoJ ने अदालत से सभी आरोपों को स्थायी रूप से खारिज करने का आग्रह किया। उनका तर्क था कि अभियोजन कानूनी रूप से कमजोर था, मुख्य रूप से भारत केंद्रित था और अब न्याय के हितों की पूर्ति नहीं करता था। DoJ ने विस्तृत फाइलिंग में अपने पहले के अनुरोध का बचाव किया। विभाग ने कहा कि व्यापक समीक्षा के बाद खारिज करने का निर्णय स्पष्ट था। DoJ ने कहा कि मामला भारत से जुड़ा था, जिसमें कई भारतीयों ने कथित तौर पर अन्य भारतीयों को रिश्वत देने की कोशिश की थी, ताकि भारत में भारतीयों को भारतीय बिजली प्रदान करने के लिए भारतीय अनुबंध मिल सकें। प्रतिभूति धोखाधड़ी और निवेश का खंडन क्वश्र ने आगे कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका का विश्व पुलिस होने का दिखावा कूटनीतिक तनाव पैदा कर सकता है और घरेलू चिंताओं पर बेहतर खर्च किए जाने वाले संसाधनों को भी बर्बाद करता है। भारत अपनी आंतरिक प्रणालियों को ब्रुकलिन और वाशिंगटन के अभियोजकों की तुलना में बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकता है। DoJ ने यह भी कहा कि गौतम अदाणी और सागर अदाणी के खिलाफ प्रतिभूति धोखाधड़ी के आरोपों का कोई ठोस कानूनी आधार नहीं था। उन्होंने कहा, प्रतिभूति आरोप कभी नहीं लाए जाने चाहिए थे। DoJ ने तर्क दिया कि कथित आचरण लगभग पूरी तरह भारत में हुआ था और अमेरिकी प्रतिभूति कानूनों के तहत मामले को महत्वपूर्ण क्षेत्राधिकार संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ा। फाइलिंग में मीडिया रिपोर्टों को भी खारिज किया गया, जिसमें कहा गया था कि बर्खास्तगी अडानी ग्रुप के संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रस्तावित निवेश से जुड़ी थी। प्रिंसिपल एसोसिएट डिप्टी अटॉर्नी जनरल आर ट्रेंट मैककॉट्टर ने लिखा कि षनिवेश के किसी भी उल्लेख के बावजूद मैंने प्रतिभूति आरोपों को खारिज करने की मांग की होती।ष उन्होंने कहा कि षसंभावित निवेश का कोई भी भूमिका नहीं हो सकती थी।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 300 अंक लुढ़का; निफ्टी 24,500 से नीचे पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। भू–राजनीतिक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण मंगलवार, 11 अगस्त 2026 को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 320.14 अंक गिरकर 78,204.40 पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 94.35 अंक टूटकर 24,490.85 पर पहुंच गया। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.13 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 87.61 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 8 पैसे गिरकर 95.38 पर आ गया। सेंसेक्स पैक से इंटरग्लोब एविएशन, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, इटरनल और बजाज फाइनेंस नुकसान में रहे। टाइटन, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा और इंफोसिस लाभ में रहे। एनरिच मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोनमुडी आर ने बताया कि भू–राजनीतिक अनिश्चितता ने कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ला दिया है। इससे वॉल स्ट्रीट पर कमजोर बंद और एशियाई बाजारों में सुस्त शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि निवेशक भावनाएं अभी भी नियंत्रित हैं। बातचीत एक अधिक जटिल चरण में प्रवेश कर गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से मुआवजे की मांग की है। वहीं, तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की शर्तें दोहराई हैं। इससे किसी भी संभावित समझौते के समय और स्थायित्व पर संदेह बढ़ गया है। जब तक अधिक स्पष्टता नहीं आती, बाजार सुर्खियों से प्रेरित रहेंगे। निवेशक आक्रामक स्थिति लेने से हिचकिचाएंगे। एशियाई और अमेरिकी बाजारों का क्या हाल रहा? एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक लाभ में रहा। शंघाई का एस एस ई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार सोमवार को नुकसान के साथ बंद हुए थे। एच एस टी वेल्थ के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी

अधिकारी हरिसलवन राधाकृष्णन ने कहा कि बाजार के प्रतिभागी इंतजार करो और देखो का रुख अपनाएंगे। घरेलू आय का मौसम शेयर–विशिष्ट कार्रवाई का प्राथमिक चालक बना रहेगा। उन्होंने कहा कि निकट अवधि में, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें व्यापक बाजार के लिए तेजी को सीमित कर सकती हैं। यह तेल–संवेदनशील क्षेत्रों पर दबाव बनाए रखेंगी। कच्चे तेल की कीमतें क्यों बढ़ रही हैं? डब्ल्यू टी आई क्रूड 82 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के निशान की ओर वापस चढ़ गया है। ब्रेंट क्रूड 87 अमेरिकी डॉलर से ऊपर कारोबार कर रहा है। यह होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी व्यवधानों पर लगातार चिंताओं को दर्शाता है। भू–राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में यह उछाल आया है। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे गतिरोध से बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। निवेशकों को डर है कि आपूर्ति बाधित हो सकती है। इससे वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें और बढ़ सकती हैं। विदेशी निवेशकों का क्या रुख रहा? विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,974.76 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। यह एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार है। सोमवार को सेंसेक्स 43.27 अंक या 0.06 फीसदी बढ़कर 78,542.44 पर बंद हुआ था। निफ्टी मामूली रूप से 13.15 अंक या 0.05 फीसदी बढ़कर 24,583.80 पर समाप्त हुआ था। हालांकि, मंगलवार को बाजार में गिरावट देखी गई। विदेशी निवेशकों की खरीदारी के बावजूद बाजार में दबाव बना रहा। भू–राजनीतिक कारक और कच्चे तेल की कीमतें हावी रहीं।

त्रिपुरा से दुबई भेजी गई सरसों शहद की पहली खेप; अब 15 देशों से स्क्रू ले रहा भारत, विविधता पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। त्रिपुरा से दुबई के लिए 1 मिट्रिक टन सरसों शहद की पहली खेप का निर्यात किया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इससे लोकल मधुमक्खी पालकों के लिए नए अंतरराष्ट्रीय बाजार के मौके खुलेंगे। मंत्रालय के तहत आने वाले कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने त्रिपुरा के डेरगांग किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) द्वारा 1 मीट्रिक टन सरसों के शहद की दुबई को पहली बार निर्यात की सुविधा प्रदान की। यह निर्यात एफपीओ और क्षेत्र के लिए एक नई उपलब्धि है, क्योंकि इससे स्थानीय मधुमक्खी पालकों और किसानों के लिए संगठित निर्यात–उन्मुख उत्पादन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बनाने का अवसर सृजित हुआ है। सरकार के मुताबिक यह खेप इस क्षेत्र से सरसों के शहद का पहली बार निर्यात है और इससे त्रिपुरा की शहद मूल्य श्रृंखला में विविधीकरण के नए अवसर खुलेंगे। इस पहल से स्थानीय किसानों और एफपीओ को निर्यात के अवसर तलाशने तथा अंतरराष्ट्रीय कृषि बाजारों में अपनी भागीदारी मजबूत करने के लिए प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। वाणिज्य मंत्रालय ने आगे कहा कि सरसों के शहद का यह निर्यात किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने में एफपीओ के नेतृत्व में उत्पादों के एकत्रीकरण और उद्योग सहयोग की क्षमता को प्रदर्शित करता है। इससे त्रिपुरा और व्यापक पूर्वोत्तर क्षेत्र के अधिक एफपीओ और किसानों को मूल्य संवर्धन, गुणवत्ता सुधार तथा निर्यात के अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। पश्चिम एशिया संकट के बीच अब 15 देशों से एलएनजी आयात कर रहा भारत ईरान अमेरिका के बीच पांच महीने से जारी टकराव के कारण पश्चिम एशिया में संकट गहरा हो चुका है। इस कारण आपूर्ति श्रृंखला में संभावित व्यवधानों से अपनी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए भारत ने तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात के स्रोतों को पहले के छह देशों से बढ़ाकर कुल 15 देशों तक कर दिया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी के मुताबिक देश ने कच्चे तेल की खरीद के स्रोतों का नेटवर्क भी व्यापक किया है। अब 27 देशों की तुलना में 41 देशों से कच्चे तेल का आयात किया जा रहा है। उन्होंने संसद में एक सवाल के जवाब में कहा, इस विविधीकरण से किसी एक देश, क्षेत्र या पारगमन मार्ग पर निर्भरता कम हुई है और आपूर्ति में व्यवधान तथा बाजार में उतार–चढ़ाव से निपटने की भारत की क्षमता बढ़ी है। कच्चे तेल, एलएनजी और पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता के अनुसार कदम उठाए जाते हैं।

मार्श एक कैलेंडर वर्ष में 1500 टी20 रन पूरे करने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई, अब किस रिकॉर्ड पर नजर?

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श ने साल 2026 में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मार्श एक कैलेंडर वर्ष में 1500 टी20 रन बनाने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि द हंड्रेड में सनराइजर्स लीड्स की ओर से खेलते हुए हासिल की। लीड्स में सोमवार को वेल्श फायर के खिलाफ मुकाबले में मार्श ने 34 गेंदों पर 50 रन की तेजतर्रार पारी खेली। इस अर्धशतक के साथ ही 2026 में उनके टी20 रनों की संख्या 1502 हो गई। इसी के साथ उन्होंने हमवतन टिम डेविड का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। टिम डेविड का रिकॉर्ड टूटा इससे पहले एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक टी20 रन बनाने का ऑस्ट्रेलियाई रिकॉर्ड टिम डेविड के नाम था। डेविड ने 2022 में 73 टी20 मुकाबलों में सात अलग–अलग टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए कुल 1461 रन बनाए थे। मार्श ने इस आंकड़े को पीछे छोड़ते हुए नया रिकॉर्ड कायम किया। वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के अलावा दुनिया की कई प्रमुख टी20 लीग में भी नियमित रूप से खेलते हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली ने उन्हें विभिन्न फ्रेंचाइजी लीग में बेहद पसंदीदा खिलाड़ी बनाया है। 2026 में मार्श का बल्ला जमकर बोला मिचेल मार्श ने 2026 में ऑस्ट्रेलिया के लिए सात टी20 मैचों में 230 रन बनाए हैं। इसके अलावा आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की ओर से 13 मैचों में उनके बल्ले से 563 रन निकले। बिग बैश लीग (बीबीएल) में पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए उन्होंने आठ मैचों में 335 रन बनाए, जबकि द हंड्रेड के मौजूदा सीजन में सात मैचों में अब तक 374 रन बना चुके हैं। इस तरह अलग–अलग टी20 प्रतियोगिताओं में लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए मार्श ने 2026 में 1500 से ज्यादा रन पूरे कर लिए हैं। द हंड्रेड में भी इतिहास रचने का मौका मिचेल मार्श के पास अब द हंड्रेड के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम करने का मौका है। यह रिकॉर्ड फिलहाल इंग्लैंड के बल्लेबाज जेम्स विंस के नाम है। विंस ने 2024 में सदर्न ब्रेव के लिए खेलते हुए एक सीजन में 424 रन बनाए थे। मार्श मौजूदा सीजन में 374 रन बना चुके हैं और इस रिकॉर्ड से सिर्फ 50 रन पीछे हैं। अगर मार्श आगामी मैचों में 51 रन और बना लेते हैं, तो वह द हंड्रेड के इतिहास में एक सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब : होर्मुज के कारण तेल कीमतों में उछाल; फेडरल रिजर्व पर दबाव घटा

एजेंसी

न्यूयॉर्क। पश्चिम एशिया में बीते पांच महीने से बरकरार तनावपूर्ण माहौल के कारण दुनियाभर के शेयर बाजार प्रभावित हुए हैं। अमेरिका भी इससे अछूता नहीं है। सोमवार को अमेरिकी शेयर बाजार एक बार फिर अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब पहुंचा। होर्मुज जलडमरूमध्य में गतिरोध दूर होने को लेकर अनिश्चितता के माहौल में तेल की कीमतों में वृद्धि भी देखी गई। होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने के कारण कच्चे तेल के वैश्विक प्रवाह पर असर पड़ रहा है। अमेरिकी शेयर बाजार– S–P 500 सूचकांक 0.1 फीसदी गिरकर बंद हुआ। शुक्रवार को बनाए अपने रिकॉर्ड से यह थोड़ा नीचे आया। डॉऊ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 133 अंक या 0.3 फीसदी नीचे रहा। नैस्डैक

कंपोजिट में 0.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। बड़ी अमेरिकी कंपनियों के बढ़ते लाभ से शेयरों में तेजी की रफ्तार धीमी हो रही है। फैक्टसेट के अनुसार, S–P 500 कंपनियों की प्रति शेयर आय एक साल पहले की तुलना में 50 फीसदी अधिक रही। यह कोविड के बाद अर्थव्यवस्था की मजबूती के बाद से सबसे अच्छी वृद्धि है। बर्कशायर हैथवे ने उम्मीद से बेहतर लाभ दर्ज किया है। वॉरेन बफेट की कंपनी ने शेयरों में भारी नकदी का निवेश किया है। प्रमुख कंपनियों का प्रदर्शन कैसा? बर्कशायर हैथवे का शेयर 1.4 फीसदी चढ़ा, जिसस S–P 500 सूचकांक को मजबूती मिली। मरीनमैक्स के शेयर 45.8 फीसदी उछले, कंपनी ने ब्लैकस्टोन को 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर में बेचने की सहमति दी। वैरेक्स इमेजिंग के शेयर 48.7 फीसदी बढ़े, टेलेडाइन टेक्नोलॉजीज इसे 18.90 अमेरिकी डॉलर प्रति शेयर नकद में खरीदेगी। टेक्नोलॉजी शेयरों में गिरावट रही, NVIDIA 2.5 फीसदी और ।चचसम 2 फीसदी नीचे गिरे। इंटेल का शेयर 3.4 फीसदी गिरा, कंपनी 15 अरब अमेरिकी डॉलर के शेयर बेचकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश करेगी। तेल बाजार और मुद्रास्फीति की स्थिति तेल बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल का भाव 4.7 फीसदी बढ़कर 87.50 अमेरिकी डॉलर हो गया। पिछले महीने यह 72 से 102 अमेरिकी डॉलर के बीच रहा था। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की उम्मीदें कम होने से कीमतें बढ़ी हैं। ब्रेंट का भाव इस महीने की शुरुआत के साथ–साथ जुलाई, जून और मार्च के युद्ध के पहले सप्ताह के स्तर पर लौट आया है। उच्च तेल कीमतें मुद्रास्फीति को बढ़ाती हैं, इसलिए बुधवार को आने वाले मुद्रास्फीति के आंकड़े अहम होंगे। अर्थशास्त्रियों को जून में 3.5 फीसदी से घटकर 3.4 फीसदी मुद्रास्फीति की उम्मीद है। ब्याज दरें और वैश्विक बाजार का हाल क्या? मुद्रास्फीति में कमी से फेडरल रिजर्व पर ब्याज दरें बढ़ाने का दबाव कम होगा। उच्च दरें मुद्रास्फीति को नियंत्रित करती हैं, पर अर्थव्यवस्था को भी धीमा करती हैं। शुक्रवार की कमजोर भर्ती रिपोर्ट ने ब्याज दर बढ़ोतरी की उम्मीदें घटाईं। सीएमई ग्रुप के अनुसार, सितंबर में फेड द्वारा दरें बढ़ाने की 50 फीसदी संभावना है। 10–वर्षीय ट्रेजरी पर यील्ड शुक्रवार देर शाम 4.65 फीसदी से बढ़कर 4.70 फीसदी हो गई। विदेशों में शेयर बाजार मिश्रित रहे, जापान का निक्केई 225 सूचकांक 2.1 फीसदी उछला।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चौंपियनशिप से पहले बंदरों की चुनौती, पीवी सिंधू ने देसी जुगाड़ की तारीफ की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चौंपियन पीवी सिंधू ने नई दिल्ली में होने वाली बैडमिंटन विश्व चौंपियनशिप की तैयारियों के बीच बंदरों को भगाने के लिए अपनाए जा रहे अनूठे भारतीय तरीके की सराहना की है। उन्होंने कहा कि समाधान पर लोग हंस सकते हैं, लेकिन दुनिया की मेजबानी के लिए पर्दे के पीछे हो रही मेहनत की सराहना की जानी चाहिए। क्या बोलीं सिंधू? दरअसल, एक पत्रकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा की थी कि इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम से बंदरों को दूर रखने के लिए कुछ लोगों द्वारा लंगूर की आवाज की नकल की जाएगी। इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए सिंधू ने भारतीय अंदाज में अपनाए जा रहे इस समाधान को लेकर अपनी बात रखी। सिंधू ने लिखा, श्आप समाधान पर हंस सकते हैं, लेकिन प्रयास को पसंद करना होगा। बहुत से लोग पर्दे के पीछे काम कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार है। हमारे समाधान भले ही अनोखे भारतीय हों, लेकिन हमारी गर्मजोशी, हमारी भावना और हमारा आतिथ्य भी उतना ही खास है। दिल्ली में पूरी बैडमिंटन दुनिया के अनुभव का इंतजार नहीं कर सकती। जल्द मिलते हैं। भारत ओपन में उठे थे स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर सवाल बीडब्ल्यूएफ विश्व चौंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होगी। इसी स्टेडियम में इस साल जनवरी में इंडिया ओपन का आयोजन हुआ था, जहां विदेशी खिलाड़ियों ने सुविधाओं और व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठाए थे। टूर्नामेंट के दौरान स्टेडियम में पक्षियों की बीट और बंदरों के दिखाई देने की घटनाएं भी सामने आई थीं। इसके अलावा डेनमार्क के खिलाड़ी और तब दुनिया के दूसरे नंबर के शटलर एंडर्स एंटोनसेन ने अत्यधिक प्रदूषण का हवाला देते हुए लगातार तीसरे साल टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। डेनमार्क की खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने भी कोर्ट की परिस्थितियों को अस्वीकार्य और बेहद गैर–पेशेवर बताया था। बीएआई ने कहा– इस बार नहीं होंगी पुरानी समस्याएं विश्व चौंपियनशिप से पहले स्टेडियम के दौरे के दौरान बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) के महासचिव संजय मिश्रा ने भरोसा जताया कि इंडिया ओपन के दौरान सामने आई समस्याएं इस बार देखने को नहीं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाओं को लेकर संतुष्टि है और इंडिया ओपन के दौरान सामने आई कमियों को दूर करने के लिए काम किया गया है। उनके मुताबिक, बीडब्ल्यूएफ भी अब आश्वस्त है कि विश्व चौंपियनशिप के दौरान ऐसी समस्याएं दोबारा नहीं होंगी।मिश्रा ने कहा कि भारत में 17 साल बाद बैडमिंटन विश्व चौंपियनशिप का आयोजन होना देश के लिए गर्व की बात है और केवल बैडमिंटन प्रशंसक ही नहीं,

बल्कि दूसरे खेलों के प्रशंसक भी इस प्रतियोगिता का इंतजार कर रहे हैं। पहले दौर में आयुष शेट्टी का सामना शीर्ष वरीय शी यूकी से टूर्नामेंट के पुरुष एकल वर्ग में भारत के एशियाई चौंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुष शेट्टी का पहले दौर में मौजूदा चौंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शी यूकी से मुकाबला होगा। पुरुष युगल में पांचवीं वरीयता प्राप्त सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पहले दौर में बाई मिली है। उनका सामना दूसरे दौर में स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन–एडम प्रिंगल और थाईलैंड के चालोएमपोन चारोनकिटामोर्न–वोरापोल थोंगसा–नगा के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। सिंधू की नजरें एक और विश्व खिताब पर भारत की सबसे बड़ी उम्मीदों में पांच बार की विश्व चौंपियनशिप पदक विजेता पीवी सिंधू भी शामिल हैं। सिंधू ने पिछले महीने जापान ओपन का खिताब जीतकर विश्व चौंपियनशिप से पहले शानदार फॉर्म हासिल की है। ड्रॉ के अनुसार सिंधू को शुरुआती दौर में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की अन से यंग और मौजूदा चौंपियन जापान की अकाने यामागुची का सामना नहीं करना पड़ेगा। हालांकि सिंधू और अन से यंग एक ही हाफ में हैं। सिंधू के प्री–क्वार्टरफाइनल में चीन की तीसरी वरीय वांग झी यी से भिड़ने की संभावना है, जबकि क्वार्टरफाइनल में छठी वरीय इंडोनेशिया की पुत्री वारदानी से मुकाबला हो सकता है। भारतीय जोड़ियों पर भी रहेंगी नजरें पुरुष युगल में सात्विक–चिराग के अलावा एमआर अर्जुन और हरिहरन भी भारतीय चुनौती पेश करेंगे। दोनों का पहले दौर में आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स से मुकाबला होगा। मिश्रित युगल में 15वीं वरीय ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को पहले दौर में बाई मिली है। दूसरे दौर में उनके सामने छठी वरीय चीन की गुओ शिन वा और चेन फांग हुई की चुनौती आ सकती है। महिला युगल में दो बार ऑल इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच चुकीं गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली का सामना पहले दौर में स्पेन की पाउला लोपेज और लूसिया रोड्रिगेज से होगा। वहीं, पदार्पण कर रहीं सिमरन सिंघी और कविप्रिया सेल्वम स्पेन की निकोल करुल्ला और कारमेन जिमेनेज के खिलाफ अभियान शुरू करेंगी। भारत का लक्ष्य घरेलू मैदान पर इस विश्व चौंपियनशिप में कई पदक जीतना है। ऐसे में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के साथ–साथ टूर्नामेंट की मेजबानी और व्यवस्थाओं पर भी पूरी दुनिया की नजर रहेगी।

भारत–श्रीलंका टेस्ट सीरीज में विराट कोहली के नाम बड़ा रिकॉर्ड, जयसूर्या–सहवाग भी शीर्ष–तीन में

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज 15 अगस्त से होने जा रहा है। सीरीज का पहला मुकाबला 15 अगस्त से खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में शुरू होगा। दोनों टीमों के बीच टेस्ट क्रिकेट में अब तक कई यादगार मुकाबले देखने को मिले हैं और बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। भारत–श्रीलंका के बीच किसी एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के नाम है। कोहली ने 2017–18 में भारत में श्रीलंका के खिलाफ खेली गई तीन टेस्ट मैचों

की सीरीज में शानदार बल्लेबाजी करते हुए यह रिकॉर्ड बनाया था। विराट कोहली ने बनाए थे 610 रन विराट कोहली ने उस सीरीज की पांच पारियों में तीन शतक और एक अर्धशतक की मदद से कुल 610 रन बनाए थे। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 152.50 रहा था, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर 243 रन था। कोहली का यह प्रदर्शन भारत और श्रीलंका के बीच किसी एक टेस्ट सीरीज में किसी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन हैं। जयसूर्या 571 रन के साथ दूसरे नंबर पर इस सूची में श्रीलंका के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या दूसरे स्थान पर हैं। जयसूर्या ने 1997 में भारत के खिलाफ श्रीलंका में खेली गई दो टेस्ट मैचों की सीरीज में तीन पारियों में 571 रन बनाए थे। जयसूर्या ने इस सीरीज में दो शतक लगाए थे और उनका औसत 190.33 रहा था। इसी सीरीज में उन्होंने अपने टेस्ट करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 340 रन बनाए थे। यह टेस्ट क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर भी है। सहवाग ने बनाए थे 491 रन भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। सहवाग ने 2009–10 में भारत में श्रीलंका के खिलाफ खेली गई तीन टेस्ट मैचों की सीरीज की चार पारियों में 491 रन बनाए थे। सहवाग ने इस दौरान दो शतक और एक अर्धशतक लगाया था। उनका औसत 122.75 रहा था। वह इस सीरीज में तिहरा शतक बनाने से चूक गए थे। उनका सर्वोच्च स्कोर 293 रन रहा था। मौजूदा सीरीज में इन बल्लेबाजों पर रहेंगी नजरें भारत और श्रीलंका के बीच आगामी टेस्ट सीरीज में भी बल्लेबाजों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

'बाल नकली हैं, लेकिन बेबी बंप असली है', प्रेग्नेंसी को फेक बताने वालों को एनी हैथवे ने दिया मजेदार जवाब

एजेंसी

43 साल की उम्र में मां बनने जा रहीं एनी हाल ही में अपनी फिल्म द एंड ऑफ ओक स्ट्रीट के प्रीमियर में नजर आईं, जहां उन्होंने अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट किया। लेकिन सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उनकी प्रेग्नेंसी को ही 'फेक' बताना शुरू कर दिया। अब एनी ने ट्रोल्स को अपने करीब 4 से 5 महीने की प्रेग्नेंट हैं। हालांकि, उनके इस लुक को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें होने लगीं और कुछ लोगों ने उनकी प्रेग्नेंसी को नकली तक बता दिया। इंस्टाग्राम पर दिया मजेदार जवाब ट्रोल्स की बातों का जवाब देने के लिए एनी ने इंस्टाग्राम पर एक बिहाइंड द सीन (BTS) वीडियो शेयर किया। वीडियो में वह प्रीमियर के लिए तैयार होती नजर आ रही हैं। उनकी टीम उनका मेकअप और हेयरस्टाइल कर रही है। वीडियो में जब स्टाइलिस्ट उनके बालों को पोनीटेल में सेट कर रही थीं, तब एनी ने मजाक में कहा, 'ये मेरे असली बाल नहीं हैं।' इसके बाद उन्होंने वीडियो के कैप्शन में ट्रोल्स को जवाब देते हुए लिखा, 'बाल नकली हैं, लेकिन बेबी बंप असली है।' 43 साल की उम्र में तीसरी बार

अंदाज में करारा जवाब दिया है। प्रीमियर में बेबी बंप को लेकर हुईं चर्चा एनी हैथवे रविवार को द एंड ऑफ ओक स्ट्रीट के प्रीमियर में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने हॉल्टर टॉप और लो-वेस्ट जींस पहनी थी, जिसमें उनका बेबी बंप साफ नजर आ रहा था। बताया जा रहा है कि एनी मां बनेंगी एनी एनी हैथवे अपने पति एडम शुलमैन के साथ तीसरे बच्चे का स्वागत करने वाली हैं। दोनों पहले से दो बेटों के माता-पिता हैं। उनके बड़े बेटे जोनाथन की उम्र 10 साल और छोटे बेटे जैक की उम्र 6 साल है। एनी हैथवे का वर्कफ्रंट वर्कफ्रंट की बात करें तो एनी हैथवे हाल ही में निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' में नजर आई थीं। इस फिल्म में मैट डेमन, टॉम हॉलैंड, रॉबर्ट पैटिनसन और जॉन बर्नथल जैसे कलाकार भी शामिल थे।

अब अपराध से सतर्क करेंगे अजय देवगन, बने क्राइम पेट्रोल के होस्ट; जानें कब से टेलीकास्ट होगा शो?

एजेंसी

क्राइम शो श्क्राइम पेट्रोल ने अपने नए सीजन श्क्राइम पेट्रोलरू क्राइम का करेंट सीजनश की अनाउंसमेंट कर दी है। शो के नए प्रोमो में मेकर्स ने फैंस के साथ बड़ा खुलासा किया। इस नए सीजन की सबसे खास बात यह है कि अभिनेता अजय देवगन इस शो को होस्ट करेंगे। प्रोमो में क्या है खास? क्राइम पेट्रोलश टेलीविजन का एक लोकप्रिय सीरियल है। इस शो में क्राइम की कहानियों को नाट्य रुपांतरण के जरिए दिखाया जाता है। शो को कई साल तक एक्टर अनूप सोनी ने होस्ट किया। मगर इस सीजन से मेकर्स ने इसमें बड़ा बदलाव किया है। शो के नए प्रोमो में नए होस्ट अजय देवगन समाज की अपराधिक स्थितियों पर बात करते नजर आए। प्रोमो में क्या बोले अजय? क्राइम पेट्रोल के प्रोमो में अजय ने शो के पीछे के मकसद और समाज में बढ़ रहे अपराधों पर चर्चा की। उन्होंने यह मुख्य बातें कहीं.. क्राइम पेट्रोल जैसे शो के साथ जुड़ना मेरे प्रशंसकों और दर्शकों के प्रति एक जिम्मेदारी जैसा लगता है। अब ऐसी कहानियां लेकर आ रहे हैं जिन्होंने पूरे देश को झकझोर दिया है। मुझे उम्मीद और विश्वास है कि मैं दर्शकों को इन मामलों में डर के बजाय सावधानी बरतने में मदद करूंगा। इन कहानियों से लोगों को सतर्कता बरतने की सीख मिलेगी और इसमें मैं उनका मार्गदर्शन कर सकता हूं। कब प्रसारित होगा श्क्राइम पेट्रोल? अपराधिक कहानियों और वारदातों पर आधारित शो श्क्राइम पेट्रोलश जल्द ही प्रसारित होने वाला है। प्रोमो के अनुसार शो 31 अगस्त 2026 को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित किया जाएगा। इसके अलावा इसे सोनी लिव पर भी स्ट्रीम किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक शो के पहले 15 एपिसोड की शूटिंग हो चुकी है।

भूमि पेडनेकर और रणदीप हुड्डा के बाद गुरु रंधावा ने भी बढ़ाया मदद का हाथ, असम बाढ़ पीड़ितों के लिए दिए इतने लाख

एजेंसी

असम में आई बाढ़ ने कई परिवारों की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित की है। ऐसे मुश्किल समय में बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री के कई सितारे मदद के लिए आगे आ रहे हैं। अब पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा ने भी असम बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने सिख एड फाउंडेशन के साथ मिलकर बाढ़ प्रभावित इलाकों में 35 पक्के और बाढ़ से सुरक्षित घर बनाने का फैसला किया है। गुरु रंधावा ने दान किए इतने लाख गुरु रंधावा ने इस पहल के लिए 7 लाख रुपये दान किए हैं। सिख एड फाउंडेशन के साथ मिलकर वह असम के ऊपरी हिस्से में बाढ़ से प्रभावित परिवारों के लिए स्थायी घर बनाने में मदद करेंगे। ये घर शिवसागर, जोरहाट और नेपाली खुंटी जैसे बाढ़ प्रभावित इलाकों में बनाए जाएंगे। इन घरों को इस तरह तैयार किया जाएगा कि भविष्य में आंने वाली बाढ़ का असर कम से कम हो और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित जगह मिल सके। पहले भी मदद के लिए आगे आ चुके हैं गुरु यह पहली बार नहीं है जब गुरु रंधावा ने असम के बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद की है। इससे पहले भी वह हैलो लाइफ फाउंडेशन को 5 लाख रुपये दान कर चुके हैं। इस मदद के जरिए बाढ़ से विस्थापित लोगों तक खाना, कपड़े, मेडिकल सामान और रोजमर्रा की जरूरी चीजें पहुंचाने में मदद की गई थी। कई सितारे कर रहे हैं मदद असम में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कई बॉलीवुड सितारे और सोशल मीडिया क्रिएटर्स भी राहत और पुनर्वास के काम में मदद कर रहे हैं। सलमान खान और रणदीप हुड्डा के अलावा फुकरा इंसान और ट्रिगर्ड इंसान जैसे डिजिटल क्रिएटर्स भी इस मुश्किल समय में लोगों की मदद के लिए आगे आए हैं। वहीं भूमि पेडनेकर समेत कई सितारे भी बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत कार्यों में अपना योगदान दे चुके हैं।

'कभी अलविदा ना कहना' के लिए क्यों करण जौहर को झेलनी पड़ी थी आलोचना? 20 साल बाद निर्देशक ने बता दी तमाम वजहें

एजेंसी

फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' को आज बीस साल पूरे हो गए। शाहरुख खान, रानी मुखर्जी अभिनीत यह फिल्म आज भी दर्शकों को याद है। लेकिन जब यह फिल्म रिलीज हुई थी। तो करण जौहर को कड़ी प्रतिक्रियाओं का सामना करना पड़ा था। इन बातों को लेकर निर्देशक ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की है। दर्शक पेड प्रीव्यू में नकारात्मक रिव्यू दे रहे थे शादी, प्यार और एक्स्ट्रा-मैरिटल रिश्तों पर आधारित फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' ने दर्शकों को दो हिस्सों में बांट दिया था। करण जौहर ने बताया कि फिल्म रिलीज होने से एक रात पहले उन्होंने एक सिनेमाघर में पेड प्रीव्यू देखा था। वह वहां पर चुपचाप दर्शकों के बीच बैठे थे और उन्होंने देखा कि एक अधेड़ उम्र का जोड़ा शाहरुख खान और रानी मुखर्जी के किरदारों, देव और माया वाले एक सीन पर जोरदार प्रतिक्रिया दे रहा था। करण जौहर को याद आया कि वह जोड़ा उस सीन से पहले ही परेशान लग रहा था और स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब देव और माया एक होटल की लिफ्ट में गए और एक-दूसरे के प्रति अपनी भावनाओं में बह गए। करण जौहर यह बातें अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखते हैं। उन्होंने लिखा, 'उस समय साड़ी पहने महिला ने हैरानी से कुर्ता पहने पुरुष की ओर देखा, उनके हाथ से पॉपकॉर्न गिर गया। पुरुष ने पीछे मुड़कर कहा कि यह तो सपना है। जब पुरुष को अहसास हुआ कि यह सपना नहीं था, तो उन्होंने अपनी पत्नी की तरफ गुस्से से देखा और तुरंत बाहर निकलने का इशारा किया। वे सिनेमाघर से चले गए और मेरा दिल बैठ गया।' कई लोग फिल्म देखकर हुए गुस्सा करण जौहर ने कहा कि जब वह थिएटर से बाहर निकले तो उनके लिए चीजें और भी मुश्किल हो गईं। वह पोस्ट में लिखते हैं, 'एक महिला और उनकी बेटी स्क्रीनिंग के बाद मेरे पास आईं। वह बोलीं कि क्या आप करण जौहर हैं। मैं अपनी बेटी को गाने-नाचने और पारिवारिक मूल्यों वाली एक खुशमिजाज फिल्म दिखाने ले गई थी क्योंकि यह आपकी फिल्म थी। जिस दिन उसका तलाक हुआ, उस दिन मैंने उसे यह फिल्म दिखाई। आपको शर्म आनी चाहिए। मुझे डर था कि वह मुझे मार सकती है, इसलिए मैं जल्दी से वहां से हट गया और मुझे कुछ और गुस्से वाले चेहरे दिखे।' फिल्म ने बेवफाई का समर्थन नहीं किया था करण जौहर ने फिल्म की कहानी को लेकर अपनी पोस्ट में एक जरूरी बात लिखी। वह लिखते हैं, 'कुछ हफ्तों बाद मैं एयरपोर्ट लाउंज में एक महिला से मिला। वह बोलीं कि मुझे आपकी फिल्म बहुत पसंद आई।मैंने अपने पति से झूठ बोला और कहा कि मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आई।' करण आगे लिखते हैं, 'मैं फिल्म की कमियों से इनकार नहीं करता। यह बहुत बड़े पैमाने पर बनी थी और इसमें मुख्यधारा की मेरी समझ के हिसाब से भव्य गाने थे। लेकिन मुझे हमेशा लगा कि इसकी भावना सही थी। फिल्म ने बेवफाई का समर्थन नहीं किया। लेकिन इसने यह दिखाया कि प्यार या इच्छा की तलाश में शादी की सीमा से बाहर निकलना आपकी नींव और परिवार को बर्बाद कर सकता है।' अब लोग फिल्म को पसंद करते हैं करण जौहर अपनी पोस्ट में आगे लिखते हैं, '20 साल बाद मैं कई लोगों से मिलता हूं जो मुझे बताते हैं कि वे तब इस फिल्म से जुड़ नहीं पाए थे लेकिन आज इसे बेहतर ढंग से समझते हैं।

मानसून में मोनालिसा ने ढाया कहर, डेनिम शॉर्ट्स और लाल टॉप में दिए स्टाइलिश पोज, देखिए तस्वीरें

एजेंसी

मोनालिसा भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री हैं। अपने अभिनय के अलावा वे लुक्स को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। वे अपनी तस्वीरें अक्सर सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। आज मंगलवार को भी एक्ट्रेस ने अपने स्टाइलिश लुक साझा किए हैं। मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी स्टाइलिश तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें मोनालिसा डेनिम शॉर्ट्स और रेड टॉप में दिख रही हैं। उन्होंने टीशर्ट से मैचिंग फुटवियर्स पहन रखे हैं। तस्वीरों के साथ मोनालिसा ने रेड हार्ट इमोजी बनाए हैं। भोजपुरी अदाकारा ने ये तस्वीरें नेचर के बीच पार्क में क्लिक कराई हैं। वे अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। 43 वर्षीय मोनालिसा अपनी फिटनेस के लिए मशहूर हैं। वे फिट रहने के लिए नियमित एक्सरसाइज करती हैं। मोनालिसा की तस्वीरों पर नेटिजंस तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स उन्हें गॉर्जियस डॉल कह रहे हैं। मोनालिसा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस की शादी भोजपुरी एक्टर विक्रम सिंह राजपूत से हुई है। दोनों ने साल 2017 में शादी रचाई थी।

इससे मिड-बजट फिल्में बनाने में मदद मिल सकती है, फिल्म मेकिंग में AI के इस्तेमाल पर ब्रैड पिट का रिएक्शन

एजेंसी

हॉलीवुड अभिनेता ब्रैड पिट का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मिड-बजट फिल्म मेकिंग को फिर से शुरू करने में मदद कर सकता है। हालांकि, वे इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके एक्टर्स की परफॉर्मेंस की नकल करने को लेकर भी काफी सतर्क हैं। ब्रैड पिट ने क्या कहा? समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, श्हॉलीवुड अभिनेता ब्रैड पिट ने एस्क्वायर के साथ हालिया इंटरव्यू में कहा कि अगर एआई का इस्तेमाल एक क्रिएटिव टूल के तौर पर किया जाए, तो यह महंगे विजुअल इफेक्ट्स को ज्यादा आसान बनाकर 40 मिलियन से 90 मिलियन डॉलर के बजट वाली फिल्मों को पर्दे पर लाने में मदद कर सकता है।

आर्य चेतना न्यूज
हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक शरद कुमार मिश्रा द्वारा गायत्री प्रिन्टर्स 548 प/12 बलदेव खेडा मानकनगर लखनऊ से मुद्रित तथा 07 आयुष विहार फेस जानकीपुरम एक्सटेन्सन लखनऊ (उ0प्र0) प्रकाशित।
सम्पादक
शरद कुमार मिश्रा
मो0- 9936177851
Email :- aryachetnanews@gmail.com,
RNI.No.- UPHIN/2019/77630
नोट- सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ जनपद होगा।